संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 76
पृष्ठ 8
बुधवार
03 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दोपहर का खाना खाने का सही....

विचार- शीतकालीन सत्र में बढ़ेगा ...

खेल- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 14 साल...

योगी कैबिनेट मीटिंग में 20 प्रस्तावों पर लगी मुहर

हर मंडल में बनेगा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

- कारोबारियों को एसजीएसटी छूट, कानपुर और बरेली की पेयजल व्यवस्था सुधारने की योजना मंजूर
- औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन

लखनऊ, संवाददाता। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कैबिनेट के समक्ष 20 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें से विकास और संगठनात्मक सुधारों से जुड़े 19 प्रस्तावों को कैबिनेट ने मंजूर किया है। इनमें अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन केंद्र बनाने, प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए कारोबारियों को बड़ी राहत देने, तथा खेल, पेयजल और दिव्यांगजन कल्याण से संबंधित अहम निर्णय शामिल हैं।इनमें राज्य में प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्थापना और पर्यटन क्षेत्र के लिए नई नियमावली के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र डीडीआरसी खोलने को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं। कुछ समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी नैदानिक सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया मजबूत होगी। कैबिनेट ने शहरी पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन–अमृत 2.0 के तहत बरेली और कानपुर नगर निगम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और नेटवर्क विस्तार के लिए 582.74 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। दोनों योजनाएं शहरों की बड़ी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होंगी।बरेली नगर निगम में पेयजल प्रणाली को नए सिरे से विकसित करने के लिए फेज–1 पुनर्गठन परियोजना को व्यय वित्त समिति से 26,595.46 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 8,530.96 लाख, राज्य सरकार का 14,504.95 लाख रुपये और नगर निगम का अंश 2,559.55 लाख शामिल है। परियोजना के पूरा होने पर बरेली में लगभग 92 फीसदी आबादी, यानी करीब 9 लाख लोग, नियमित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से कवर हो जाएंगे। कानपुर नगर निगम क्षेत्र के ईस्ट और साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट में 100 फीसदी आबादी तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन विस्तार परियोजना को 31,678.88 लाख की मंजूरी मिली है। इसमें भारत सरकार का योगदान 7,610.32 लाख, राज्य सरकार का 18,264.77 लाख और नगर निगम का हिस्सा 4,566.19 लाख है। परियोजना से कानपुर शहर के 33 वार्डों को सीधा लाभ मिलेगा और ईस्ट–साउथ जोन की पूरी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। जलजनित रोगों में भी कमी आने की उम्मीद है।

सरदार पटेल के आदर्शों पर भाजपा

जेल में 30 दिन से ज़्यादा रहे मंत्री देंगे इस्तीफा, राजनाथ सिंह का वादा

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी विरासत को पुनर्जीवित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और पटेल के भ्रष्टाचार विरोधी दृष्टिकोण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। सरदार सभा में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने पार्टी द्वारा 130वें संविधान संशोधन को लागू करने के कदम का हवाला दिया, जिसके तहत 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहने पर मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा। सभा को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भ्रष्टाचार को लेकर बहुत सख्त थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि किसी भी मंत्री के खिलाफ, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो, किसी भी शिकायत की जाँच होनी चाहिए। अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो मंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सरदार वल्लभभाई पटेल की इस इच्छा का स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भाजपा ने सम्मान किया है... हमने संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को संसद में पारित कराने का भी निर्णय लिया है। अगर कोई पदधारी व्यक्ति 30 दिन से ज़्यादा जेल में रहता है, तो उसे अपने पद से इस्तीफा देना होगा। हम इस कानून को भारत की संसद में पारित कराने का प्रयास कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम यहाँ सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाने आए हैं... कुछ राजनीतिक ताकतें थीं जो चाहती थीं कि सरदार वल्लभभाई पटेल इतिहास के पन्नों में गुम हो जाएँ। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें इतिहास के पन्नों में एक चमकते सितारे के रूप में फिर से स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है। चल रही सरदार /150 पदयात्रा ने कुल मिलाकर 72 किलोमीटर की दूरी तय की है, जो पटेल के राष्ट्रीय एकता और नागरिक उत्तरदायित्व के संदेश का प्रचार करती है।

किसान मजदूर मोर्चा का 5 दिसंबर को 'रेल रोको' आंदोलन

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान मजदूर मोर्चा (भारत), पंजाब चौप्टर, 5 दिसंबर 2025 को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक 19 जिलों में 26 स्थानों पर दो घंटे का प्रतीकात्मक रेल रोको (रेल नाकाबंदी) आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विरोध प्रदर्शन विद्युत संशोधन विधेयक 2025 के मसौदे को रद्द करने, प्रीपेड मीटरों को हटाने और पुराने मीटरों को बहाल करने, भगवंत मान सरकार द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों की जबरन बिक्री का विरोध करने और अन्य मुद्दों के समाधान के लिए किया जा रहा है। 19 जिलों में विभिन्न स्थानों पर रेल रोकी जाएगी, जिनमें शामिल हैंरू अमृतसर, दिल्ली–अमृतसर मुख्य रेलवे लाइन पर देवीदास पुरा और मजीठा स्टेशन; गुरदासपुर, अमृतसर–जम्मू और कश्मीर रेलवे लाइन पर बटाला रेलवे स्टेशन, गुरदासपुर रेलवे स्टेशन और डेरा बाबा नानक रेलवे स्टेशन; पठानकोट, परमानंद क्रॉसिंग; तरनतारनरू तरनतारन रेलवे स्टेशन। विरोध से प्रभावित होने वाले अन्य जिलों में फिरोजपुर, बस्ती टैंकनवाले, मल्लानवाला और तलवंडी भाई शामिल हैं; कपूरथला, दादविंडी के पास (सुल्तानपुर लोधी); जालंधर, जालंधर कैंट; होशियारपुर, टांडा (जम्मू और कश्मीर और जालंधर रेल मार्ग) और भूंगला रेलवे स्टेशन; पटियाला, शंभू और बारा (नाभा); संगरूर, सुनाम शहीद उधम सिंह वाला; फाजिल्का, फाजिल्का रेलवे स्टेशन; मोगा, मोगा रेलवे स्टेशन; बठिंडा, रामपुरा रेलवे स्टेशन; मुक्तसर, मलोट और मुक्तसर; मलेरकोटला, अहमदगढ़; मनसा, मनसा रेलवे स्टेशन; लुधियाना, साहनेवाल रेलवे स्टेशन; फरीदकोट, फरीदकोट रेलवे स्टेशन और रोपड़, रोपड़ रेलवे स्टेशन। विरोध प्रदर्शन के कारण ये स्थान प्रभावित होंगे, जिससे रेल सेवाएँ प्रभावित होंगी।

संसद के हंगामे पर कंगना रनौत का तीखा वारः चुनाव हारने पर और हताश हो रहा विपक्ष, जनता सब देख रही

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेत्री–राजनेता कंगना रनौत ने विपक्ष की आलोचना करते हुए उन पर जानबूझकर बाधा डालने और लगातार चुनावी झटकों के बाद बढ़ती हताशा का आरोप लगाया है। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बार–बार व्यवधान देखा गया। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे जितना अधिक हारते हैं, उतना ही अधिक निराश होते हैं। कांग्रेस और बाकी दल हताशा की स्थिति में पहुँच गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि व्यवधानों के कारण आज के लिए निर्धारित महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सके। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कंगना ने आगे कहा कि आज के लिए निर्धारित सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो सकी। संसद नहीं चल सकी। इसे दो घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। रानौत ने आगे कहा कि इस तरह का आचरण जनता के सामने विपक्ष की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा, पूरा देश देख रहा है, और वे (विपक्ष) जनता की नज़रों में खुद को गिरा रहे हैं और चुनाव दर चुनाव हार रहे हैं। वहीं, आज संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन है, जहां सरकार कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

संचार साथी ऐप स्वैच्छिक, इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की मर्जी पर निर्भर : सरकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। संचार साथी ऐप को लेकर विपक्ष की चिंताओं के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है और किसी भी तरह अनिवार्य नहीं है। इस ऐप को निजता के लिए खतरा बताये जाने को अफवाह करार हुए श्री सिंधिया ने कहा कि यह स्वैच्छिक ऐप है और इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की इच्छा पर निर्भर है। उपयोगकर्ता चाहे तो अपने मोबाइल पर इसे सक्रिय करे या न करे और वह आसानी से इसे डिलीट भी कर सकता है। श्री सिंधिया ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के हर नागरिक की डिजिटल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्संचार साथीश ऐप का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजता की रक्षा कर सके और ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रह सके। यह एक पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उपयोगकर्ता चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसके लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो इसे अपने फ़ोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं। उन्होंने संचार साथी ऐप को सुरक्षा, पारदर्शिता और कस्टमर–फर्स्ट दृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि यह लगातार लोकप्रिय ऐप बन रहा है और लोग इस पर भरोसा कर रहे हैं। अब तक 20 करोड़ से ज्यादा लोग पोर्टल का उपयोग कर चुके हैं। डेढ़ करोड़ से ज्यादा यूज़र्स ऐप से जुड़े हुए हैं और नागरिकों द्वारा श्नॉट माई नम्बरश्चुने जाने पर 1.43 करोड़ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए हैं। इससे 26 लाख मोबाइल फ़ोन ट्रेस हुए हैं जिनमें से 7.23 लाख फ़ोन सफलतापूर्वक नागरिकों को लौटाए गए। नागरिकों द्वारा रिपोर्ट किए गए 40.96 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए गए। इससे 6.2 लाख फ्रॉड–लिंक्ड आईएमईआईएस ब्लॉक किए जा चुके हैं। संचार मंत्री ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। संचार साथी उसी दिशा में एक मज़बूत कदम है, जो हर मोबाइल उपयोगकर्ता को सशक्त, सुरक्षित और जागरूक बनाता है। यह निगरानी का माध्यम नहीं, बल्कि जनभागीदारी पर आधारित एक पारदर्शी डिजिटल सुरक्षा प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि यह ऐप और पोर्टल नागरिकों को अपने मोबाइल नंबर की सुरक्षा, फर्जी कनेक्शनों की पहचान, खोए–चोरी हुए फोन की ट्रैकिंग और साइबर ठगी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सक्षम बनाता है।

एसआईआर के मुद्दे पर हंगामे के कारण लोकसभा में दूसरे दिन भी नहीं हुआ कामकाज

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा कराने की मांग पर विपक्ष के हंगामे के कारण कोई कामकाज नहीं हुआ और सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। दो बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने कहा कि सदन चर्चा के लिए है जो भी मुद्दा है उस पर चर्चा करायी जायेगी और आपको इसमें हिस्सा लेने के लिए मौका भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता सदन की कार्यवाही को देख रही है। आप जिम्मेदार विपक्ष है इसलिए अपने स्थान पर बैठें और सदन को चलाने में सहयोग करें। यह तरीका जनता पसंद नहीं करती है। आप लोग बार बार सुनियोजित तरीके से सदन को बाधित कर रहे हैं।

गांधी परिवार को फंसाने की कोशिश, खड़गे का हल्ला बोल, नेशनल हेराल्ड मामले में आया नया मोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को 12 साल पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज होने के बाद राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी सरकार और ईडी ने नए आरोपों का इस्तेमाल किया है और विरोधियों को निशाना बनाने के लिए चुनिंदा अभियोजन और नए सिरे से आरोप लगाने का सहारा लिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, खड़गे ने लिखा कि 12 साल बाद और अचानक गांधी परिवार पर पुराने मामले में कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने वाली एक नई एफआईआर। सिर्फ़ इसलिए क्योंकि मोदी सरकार और ईडी के पास नए आरोपों का भंडार खत्म हो गया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तथ्य कमज़ोर पड़ गए, तो नाटकीयता का सहारा लिया गयारू चुनिंदा अभियोजन, बार–बार लगाए गए आरोप, और विरोधियों को कठघरे में खड़ा करने की एक छिपी हुई कोशिश। खड़गे ने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायपालिका इस कदम के पीछे छिपे कथित राजनीतिक मकसद को पहचान लेगी। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि न्यायपालिका इस राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की नासमझ कोशिशों को समझ लेगी! इस बीच, दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने या न लेने के फैसले को फिर से स्थगित कर दिया। आरोपपत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम शामिल हैं।

केंद्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को श्सेवा तीर्थश के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है। इन बदलावों के साथ–साथ केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है। इन बदलावों के बीच उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया गया है। यह बदलाव गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक निर्देश के बाद किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा है कि राजभवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। राज्यों के गवर्नर और केंद्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नर के मुख्यसचिव या सचिव को लिखे एक पत्र में गृह मंत्रालय ने पिछले साल हुई राज्यपालों की कॉन्फ्रेंस में दिए गए सुझाव का जिक्र किया है। जिसमें राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया जाए क्योंकि राजभवन शब्द से कॉलोनियलिज़्म को दर्शाता है। गृह मंत्रालय के निर्देश में कहा गया है, इसलिए यह गुजारिश की जाती है कि सभी आधिकारिक कामों के लिए राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यालयों का नाम 'लोकभवन' और 'लोक निवास' रखा जाए।

दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए केवल किसानों का पराली जलाना जिम्मेदार नहीं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण के संकट के लिए किसानों को अकेला जिम्मेदार ठहराने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया। न्यायालय ने कहा कि पराली जलाना कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान भी मौजूद था, जबकि राजधानी में उस समय असाधारण रूप से साफ आसमान देखा गया था। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर लंबे समय से लंबित एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पराली जलाने के आसपास की कहानी को 'एक राजनीतिक मुद्दा या अहंकार का मुद्दा' नहीं बनाया जाना चाहिए। पीठ ने दोहराया कि दिल्ली की जहरीली हवा के कई स्रोत हैं। मुख्य न्यायाधीश ने प्रदूषण के प्राथमिक योगदानकर्ताओं की पहचान करने वाले वैज्ञानिक विश्लेषणों पर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा कि जहाँ पराली जलाने को लगातार उजागर किया जाता है, वहीं श्उन लोगों पर बोझ डालना गलत होगा जिनका न्यायालय में शायद ही कोई प्रतिनिधित्व हो।श उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान भी पराली जलाई गई थी। अब असली सवाल यह है कि उस समय साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था। न्यायालय ने कहा कि किसान अक्सर अपनी आजीविका की रक्षा के लिए पराली जलाते हैं और उन्हें अनुचित रूप से दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। पीठ ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह पराली जलाने के अलावा अन्य सभी प्रमुख प्रदूषण स्रोतों को रोकने के लिए उठाए गए प्रभावी उपायों पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। न्यायालय ने सरकार से पूछा कि क्या उसकी कार्य योजनाओं ने ठोस सुधार किए हैं? उन योजनाओं की फिर से जाँच क्यों नहीं की जा सकती है? वहीं, सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय को बताया कि पंजाब, हरियाणा और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कार्रवाई रिपोर्ट जल्द ही दाखिल की जाएगी। उन्होंने स्वीकार किया कि यह मुद्दा केवल मौसमी है और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के अध्ययनों के आधार पर वाहन उत्सर्जन और औद्योगिक धूल 2016 और 2023 से प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में बने हुए हैं। न्यायमूर्ति बागची ने निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को रेखांकित करते हुए निर्माण प्रतिबंध की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठाया। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सदस्यों की विशेषज्ञता और योग्यताओं पर विवरण मांगा। एक वकील ने सुनवाई के दौरान सड़क किनारे अनियंत्रित पार्किंग की समस्या को उजागर करते हुए टिप्पणी की कि दिल्ली का वाहन घनत्व (व्हीकल डेंसिटी) कई प्रमुख शहरों के संयुक्त घनत्व से अधिक है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मेट्रो का विस्तार दीर्घकालिक राहत प्रदान कर सकता है लेकिन तत्काल, अल्पकालिक उपाय भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

माघ मेले के लिए आज से भूमि आवंटन शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर तीन जनवरी से माघ मेले की शुरूआत हो रही है। एक तरफ जहां जमीन समतलीकरण का कार्य चल रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अब 2 दिसंबर से भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। मेला प्राधिकरण सबसे पहले संतों को जमीन उपलब्ध कराएगा। 2 से 4 दिसंबर तक दंडी स्वामी नगर (दंडी बाड़ा), 5 व 6 दिसंबर को आचार्य स्वामी नगर (आचार्यबाड़ा) व 7 से 9 दिसंबर तक खाक चौक के संतों को माघ मेले के लिए भूमि आवंटित की जाएगी। हालांकि शेष संस्थाओं और प्रयागवाल को भूमि व सुविधाओं के लिए अभी समय निर्धारित नहीं किया गया है। इसे लेकर प्रयागवाल सभा ने नाराजगी जाहिर की है। इनका कहना है कि तीर्थ पुरोहितों के लिए भूमि आवंटन की तारीख तय नहीं है। ऐसे में कल्पवासी सबसे पहले मेले में पहुंचते हैं और उनकी व्यवस्था तीर्थ पुरोहितों को ही करनी है। ऐसे में उन्हें शिविर के लिए भूमि कब आवंटित की जाएगी यह पता ही नहीं है। प्रयागवाल सभा के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय व महामंत्री असीम भारद्वाज की अगुवाई में ज्ञापन सौंपा गया। तीर्थ पुरोहितों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही सुविधा आवंटन भी किया जाए। प्रयागवाल तख्त पर यात्री की सुविधा से दृष्टि से 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगा। तीर्थ पुरोहितों की भूमि सुविधा में और वृद्धि की जाए। प्रयागवाल सदस्यों को पहचान पत्र जारी किया जाए ताकि मेले में आवागमन में असुविधा न होने पाए। मां गंगा पूजन और मेला अवधि में मुख्य यजमानों की पूजन मात्र तीर्थ पुरोहितों से कराई जाए। कल्पवासियों के लए शौचालय, नल व बिजली कनेक्शन आदि निशुल्क प्रदान की जाए।

10 दिसंबर से लखनऊ में खुलेगा निदेशालय का कैंप कार्यालय

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में शिक्षा निदेशालय के 6 विभागों को राजधानी लखनऊ स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू हो गई है। 10 दिसंबर से लखनऊ में यह शुरू किए जाने की तैयारी है। कैंप कार्यालय के लिए 15 कर्मचारियों का तबादला लखनऊ किया जाएगा। इसी के साथ कैंप कार्यालय को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई है और वे विरोध दर्ज करा रहे हैं। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय के कैंप कार्यालय को लखनऊ में खोले जाने पर कर्मचारियों ने कड़ा विरोध व्यक्त किया है। शासन के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमित भारद्वाज को 30 अक्टूबर को कैंप कार्यालय का संचालन नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय लतीफनगर, सरोजनीनगर लखनऊ से करने के लिए तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। शिक्षा निदेशालय मिनिस्टीरियल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष घनश्याम यादव और मंत्री सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मुद्दे पर शासनादेश निरस्त कराने के लिए कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केशरवानी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल और गुरुप्रसाद मौर्य से अनुरोध किया जा चुका है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 902025026 दिनांक : 29.11.2025

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 26.12.2025 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है । कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं : 1	निविदा नं.: 203	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 3,41,01,322.47

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर/लाईन/कानपुर के अन्तर्गत कानपुर सेन्ट्रल में एन.आई.एवं अन्य विविध पी.वे. से सम्बन्धित कार्य।

बयाने की रकम (₹) : ₹ 3,20,500.00	कार्य समापन की अवधि : 09 माह

निविदा खुलने की तिथि : 26.12.2025

इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कोई पी.वे.कार्य

नोट :- 1. आन लाइन निविदा दिनांक 26.12.2025 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 26.12.2025 तक उपलब्ध है । 2313/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 25/58 दिनांक: 28.11.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80254000	सर्वो प्लेक्स SHC-120 (IOCL) ट्रैक्शन मोटर बेयरिंग के लिए ग्रीस	13754 किलो	18.12.2025
2	80251017	शेल गैडस S5 V42 P2.5 ग्रीस	4673 किलो	22.12.2025
3	80251031C	इंहिबिटेड मिनेरल इन्सुलेटिंग ट्रांस्फार्मर ऑइल	81607 लीटर	23.12.2025
4	40253357	इमरजेंसी लाइटिंग यूनिट फॉर इओजी टाइप एलएचबी कोचेज़	932 नग	23.12.2025
5	40253359	रेगुलेटेड बैटरी चार्जर कैपासिटी 6.5 केवीए	52 नग	29.12.2025
6	70253012	वेल्डिंग इलेक्ट्रोड	229579 मीटर	29.12.2025
7	70253054	एमएमए वेल्डिंग इलेक्ट्रोड	23234 किलो	31.12.2025
8	63255525	मेटल लाईनर फॉर यूज विथ इआरसी फलेट टोय ऑन कॉनवरेट स्लीपर फॉर 60 केजी रेल टू आरडीएसओ ड्रग नं0 टी- 3740	1108409.00 Nos.	07.01.2026
9	63255515	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ मेटल लाईनर टू आरडीएसओ ड्रग नं0 टी- 8748,	2742954.00 Nos.	05.01.2026
10	64255254	हाईड्रॉलिक मोटर	233.00 Nos.	07.01.2026
11	64255245	हाईड्रॉलिक वेरिएबल डिलीवरी पम्प	131.00 Nos.	09.01.2026
12	64255133B	कैटरपीलर इंजन (275 BHP & 700 BHP)	02.00 Nos.	01.01.2026
13	64255249	हाईड्रॉलिक डिसी वाल्व	1478.00 Nos.	12.01.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 2306/25(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: CM-1/Photostate/Comml./PRYJ/2025 दिनांक: 28.11.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई टेंडर निविदा सूचना संख्या : GEM/2025/B/6940872 Dated 27.11.2025

कार्य का नाम : वाणिज्य शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में फोटोकॉपियर मशीन ऑपरेटर के साथ, उपभोज्य वस्तु, पेपर एवं रखरखाव हेतु तीन वर्ष के लिए किराए पर लेने के लिए निविदा।

निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	ठेके की अवधि: तीन वर्ष
कार्य का अनुमानित लागत (जी. एस. टी. सहित) :₹ 2766280/-	
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 19.12.2025 15.00	धरोहर राशि : ₹ 55400/-
निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 19.12.2025 15.30	

नोट:1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेंगे। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 2305/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

500 मीटर पीछा... फिर फौजी की हत्या

प्रयागराज में आरोपियों के कबूलनामे से खुलीं पोल, सेना के हवलदार–दरोगा ने मार डाला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के करछना में फौजी विवेक सिंह की हत्या के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए सुबह 7 बजे जानकारी मिलते ही चार टीमें गठित कीं और मात्र तीन घंटे के भीतर सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सबसे पहले दिनेश कुमार यादव पकड़ा गया और फिर इसकी निशानदेही पर एक–एक कर बाकी चार आरोपी एएसआई राजकमल पांडेय, सेना में हवलदार राजीव ठाकुर, राजू अग्रहरि और भाईलाल उर्फ भानु यादव भी गिरफ्तार कर लिए गए। उनसे पूछताछ में खुलासा हुआ कि कैसे सड़क पर साइड देने को लेकर हुआ मामूली विवाद एक पल में हत्या की वारदात में तब्दील हो गया।

सबसे पहले पकड़े गए दिनेश कुमार यादव, जो खुद को अधिवक्ता बताता है, ने कहा कि वह साथियों के साथ शादी से लौट रहा था। टोंस नदी पुल के पास आगे चल रही कार को कई बार हॉर्न देने पर भी रास्ता नहीं मिला। साइड मिलते ही उसने गुस्से में ओवरटेक कर कार रोक दी। नीचे उतरते ही विवेक से कहासुनी हुई और उसी दौरान किसी ने हमला कर दिया। उसने माना कि स्कॉर्पियो उसी की थी और वही चला रहा था।

दूसरा आरोपी राजकमल पांडेय मिर्जापुर पुलिस की रेडियो शाखा में हेड ऑपरेटर (सब इंस्पेक्टर रैंक) पर तैनात है। उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि विवाद होते ही वह स्कॉर्पियो से उतरकर नीचे आया। विवेक ने खुद को फौजी बताया तो उसने भी पुलिस आईकार्ड दिखाया। उसके मुताबिक बहस अचानक बढ़ गई और किसी ने वार कर दिया। वह दावा करता है कि उसे नहीं पता चल पाया हमला किसने किया।

तीसरे आरोपी राजीव कुमार ठाकुर सेना में हवलदार के पद

पर तैनात है और मौजूदा पोस्टिंग इंदौर में है। उसने कहा कि वह सिर्फ मामला शांत कराने उतरा था, लेकिन विवाद पलभर में बढ़ गया। झगड़े के बीच विवेक पर हमला हुआ, हालांकि उसका दावा है कि उसने वार होते नहीं देखा।

चौथा आरोपी राजू अग्रहरि प्लाटिंग करता है। उसने कहा कि वह सिर्फ शादी में शामिल होने गया था। रास्ते में विवाद के दौरान धक्का–मुक्की और चिल्लाहट में अफरा–तफरी मच गई और कार से उतरा युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद वह घबरा गया और स्कॉर्पियो में बैठकर साथियों के साथ निकल गया।

पांचवां आरोपी भाईलाल उर्फ भानु यादव टेंपो चलाने का काम करता है। उसका कहना है कि वह पीछे खड़ा था और केवल विवाद होते देख रहा था। किसने वार किया, यह उसे नहीं पता। कार चालक के गिरते ही वह भी साथियों के साथ स्कॉर्पियो में बैठकर भाग निकला।

परिजनों ने लगाया आरोप, नशे में थे आरोपी

मृतक के परिवार और चश्मदीद करन सिंह का दावा है कि सभी आरोपी नशे में थे। लेकिन पुलिस का कहना है कि आरोपी मौके पर नहीं पकड़े गए, इसलिए मेडिकल से नशे की पुष्टि तत्काल संभव नहीं थी। फिलहाल पूछताछ में सभी ने शराब पीने की बात से इनकार किया।

मर्डर का मोड़रू साइडदृ रेस से मौत तक

वारदात के वक्त फौजी विवेक टाटा पंच चला रहे थे, जबकि स्कॉर्पियो दिनेश चला रहा था। मामूली साइड न मिलने से शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनट में हत्या तक पहुंच गया।

पुलिस का अगला एक्शन, खंगाल रही कुंडली

पुलिस टीमें अब आरोपियों के बयान, चश्मदीद करन की गवाही, मोबाइल लोकेशन और साइंटिफिक एविडेंस के आधार पर पूरी वारदात की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। आरोपियों की कुंडली भी खंगाली जा रही है। उधर घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो भी कब्जे में ले ली गई है।

निलंबन की संस्तुति करते हुए भेजी गई रिपोर्ट

उधर इस मामले में रेडियो शाखा की हेड ऑपरेटर की गिरफ्तारी के बाद उसके निलंबन की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। प्रयागराज पुलिस की ओर से मिर्जापुर पुलिस को हत्या के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई है। साथ ही उसके निलंबन की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट भी भेजी गई है। माना जा रहा है कि एक या दो दिनों में उसे निलंबित भी कर दिया जाएगा।

रात में ठंड हवा का असर तेज, प्रयागराज में दिन में धूप से राहत, रात में कोहरा और ठिठुरन बढ़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में दिसंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड का असर देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दिनों से सुबह का मौसम साफ रहता है और दिन में हल्की तेज धूप लोगों को ठंड से थोड़ी राहत देती है, लेकिन शाम होते–होते हालात बदलने लगते हैं। धुंध की हल्की परत शहर को ढकने लगती है, जो देर रात तक घना कोहरा बनकर पूरे इलाके पर छा जाती है। रात में गिरते तापमान और कोहरे असर दिख रहा है। तापमान में गिरावट से रात में ठिठुरन बढ़ गयी है।

मौसम विभाग के मुताबिक तापमान में पिछले 48 घंटों में लगभग 4 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। रात का तापमान गिर के न्यूनतम 11 डिग्री दर्ज किया वहीं दिन का तापमान न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार तापमान में गिरावट से ठंड का असर बढ़ रहा है।

दिन में हल्की गर्माहट देने वाली धूप के बावजूद रात का तापमान लगातार नीचे जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद ठंड और ज्यादा बढ़ेगी, और इस बार पिछले सालों के मुकाबले ज्यादा कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना है।

ठंडी हवाओं के चलते रात में गलन और ठिठुरन दोनों बढ़ गई हैं। सुबह–सुबह धुंध की मोटी परत सड़कों पर दिखाई दे रही है, जिससे वाहनों की

रफ्तार भी धीमी पड़ रही है।

लगातार दूसरे दिन हवा में प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी हवा में सांस लेना खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। शाम के बाद हवा और भारी महसूस होती है, जिससे धुंध रात में घने कोहरे में बदल जाती है।

प्रयागराज डिजिटल लाइब्रेरी में मारपीट, गाली–गलौज

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के कटरा स्थित एक डिजिटल लाइब्रेरी में संचालक और एक छात्र के साथ मारपीट व जातिसूचक गालियां देने का मामला सामने आया है। कर्नलगंज पुलिस ने पीड़ित संचालक की शिकायत पर घटना के चार दिन बाद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 'द विजन डिजिटल लाइब्रेरी' के संचालक चंदन गोंड (निवासी हरदी, जमुई पंडित, महराजगंज) ने पुलिस को बताया कि 26 नवंबर को उनकी लाइब्रेरी में दो छात्र आपस में बहस कर रहे थे। उन्होंने हस्तक्षेप कर उन्हें शांत कराया था। तहरीर के अनुसार, बहस में शामिल एक छात्र दुर्गेश शुक्ला ने उसी रात चंदन गोंड को फोन पर धमकी दी। उसने हर्षित तिवारी नामक दूसरे छात्र को लाइब्रेरी से निकालने की मांग की और ऐसा न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। पीड़ित के बयान के अनुसार, अगले दिन 27 नवंबर की रात दुर्गेश शुक्ला अपने 8–10 साथियों के साथ लाइब्रेरी पहुंचा। आरोप है कि आरोपियों ने अचानक चंदन गोंड और लाइब्रेरी के बाहर खड़े हर्षित तिवारी पर हमला कर दिया। उन्हें जातिसूचक गालियां देते हुए बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा, ष्अगर रिपोर्ट की तो जान से हाथ धो दोगे और लाइब्रेरी जला देंगे। इस घटना के बाद लाइब्रेरी संचालक और वहां पढ़ने वाले प्रतियोगी छात्र दहशत में हैं। चंदन गोंड ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और अपनी तहरीर के साथ प्रत्यक्षदर्शियों को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया है। कर्नलगंज पुलिस ने बताया कि उन्हें प्रार्थना पत्र घटना के तीन दिन बाद मिला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रयागराज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 बीएलओ सम्मानित

डीएम ने प्रशस्ति पत्र और दीवार घड़ी देकर बढ़ाया उत्साह

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एसआईआर कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने सभी चयनित बीएलओ को प्रशस्ति पत्र और दीवार घड़ी भेंट कर उनके कार्य की सराहना की।

उन्होंने कहा– निर्वाचन कार्य बेहद जिम्मेदारी वाला होता है और इसे निष्ठा और तत्परता के साथ निभाने वाले बीएलओ लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणा है। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे अपने साथ काम कर रहे अन्य बीएलओ को भी आयोग के निर्देशानुसार 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य शत–प्रतिशत एवं शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि विशेष पुनरीक्षण के दौरान पात्र मतदाताओं का नाम समय पर सूची में जोड़ा जाए तथा त्रुटियों का निराकरण भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो।

सम्मानित किए गए बीएलओ में विधानसभा 254 फाफामऊ से पुष्पलता श्रीवास्तव, छाया मिश्रा, रीता देवी यादव और कृष्ण कुमार को सम्मानित किया गया। 255 सोरांव से आलिया बानो और सुनीता देवी, 256 फूलपुर से राम सजीवन यादव, 257 प्रतापपुर से गीता देवी और विद्या देवी मौर्य का चयन हुआ।

258 हंडिया से सौरभ सिंह, 259 मेजा से रवि शंकर यादव, 260 करछना से श्याम बाबू, 261 इलाहाबाद पश्चिम से सत्य प्रकाश खरवार, जरीना खातून और अमर बहादुर सिंह को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान मिला।

इसके अलावा 264 बारा से सूर्यराज सिंह और संतोष कुमार, तथा 265 कोरांव से अरविन्द कुमार और कृष्णकान्त को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने सभी कर्मियों को निर्वाचन कार्य को पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश देते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

माघ मेले में होगी यूपी रोडवेज की ब्रांडिंग

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेला में ब्रांडिंग के लिए यूपी रोडवेज की 3800 से अधिक बसों का इस्तेमाल किया जाएगा। जिनमें माघ मेले से संबंधित स्टीकर, पोस्टर चिपकाए जाने के साथ ही विनाइल रैपिंग भी की जाएगी।यूपी रोडवेज की बसों पर यह ब्रांडिंग महाकुंभ के समय की तर्ज पर की जाएगी। जब भारतीय रेल ने भी महाकुंभ के दौरान यूपी रोडवेज की बसों में विनाइल रैपिंग के जरिए महाकुंभ से संबंधित तस्वीरें लगाई थीं। इस बार भी इसी मॉडल को अपनाते हुए माघ मेले की ब्रांडिंग डिपो की बसों पर की जाएगी। कुल मिलाकर 20 परिक्षेत्रों के अधीन आने वाले 115 डिपो की बसों से माघ मेला का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। फिलहाल प्रयागराज, गाजियाबाद, गोरखपुर, वाराणसी, मुरादाबाद में आठ–आठ डिपो, अलीगढ़, लखनऊ, आजमगढ़ में

सात–सात डिपो, सहारनपुर, आगरा, कानपुर, इटावा, हरदोई में छह–छह डिपो की बसों के माध्यम से यह ब्रांडिंग शुरू होगी। इसके अलावा मेरठ के पांच, बरेली, अयोध्या, चित्रकूट के चार–चार, देवीपाटन के तीन, झांसी और नोएडा रीजन के दो–दो डिपो की बसों को भी जल्द ही ब्रांडिंग के लिए तैयार किया जाएगा। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस बार माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि जल्द से जल्द बसों के माध्यम से माघ मेले की ब्रांडिंग शुरू कर दी जाए ताकि व्यापक जनसंपर्क के जरिए मेले के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़े और माघ मेले के आयोजन को और भी प्रभावी बनाया जा सके। ब्रांडिंग अभियान से माघ मेले की स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण छवि बनेगी और यह धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए एक बड़ा पोर्टल साबित होगा।

बारा में दो बदमाश गिरफ्तार, ज्वेलरी, 36 हजार रुपए कैश और ऑटो बरामद, सर्विलांस से पकड़े गए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एसओजी यमुनानगर जोन और थाना शंकरगढ़ पुलिस ने सोने की ज्वेलरी चोरी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लगभग 1 लाख रुपये की एक जोड़ी सोने की झुमकी, चोरी के जेवर बेचकर प्राप्त 36,000 रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल किया गया ऑटो बरामद किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए सर्विलांस टीम को सक्रिय किया था। मोबाइल लोकेशन, ऑटो के मूवमेंट और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस कई दिनों से आरोपियों का पीछा कर रही थी। सूचना मिली कि दोनों आरोपी प्रयागराज–चित्रकूट मार्ग को जोड़ने वाले नहर पुलिया एनटीपीसी के पास मौजूद हैं।

इसी सूचना पर एसओजी और शंकरगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश देकर दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

यह घटना 21 नवंबर की है। पीड़िता सुधा सिंह, निवासी मोटियान टोला, अपनी बच्ची के साथ एक ऑटो में सवार हुई थीं। रेलवे फाटक के पास ऑटो में बैठे चालक और उसके साथियों ने उनके बैग को घेर लिया। कुछ दूरी आगे बढ़ने पर आरोपियों ने बैग काटकर उसमें रखी सोने की कान की झुमकी और सोने का हार चुरा लिया और फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे लंबे समय से इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। महिला यात्रियों को निशाना बनाना उनकी मुख्य रणनीति थी। आरोपियों ने यह भी बताया कि वे चोरी किए गए जेवरों को अलग–अलग जगहों पर बेच देते थे। इस बार भी उन्होंने सोने का हार पहले ही बेच दिया था, जबकि झुमकी को बांटने से पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

एसओजी प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में फैली दहशत कम होगी।

एसटीएफ का फरार सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार,कफ सिरप मामले में तलाश थी

लखनऊ, संवाददाता। एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह आखिरकार लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ ने मंगलवार को उसे पकड़ा। एक दिन पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। आलोक कोडीनयुक्त नशीले कफ सिरप मामले में फरार था। पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उसकी कई तस्वीरें हैं। कफ सिरप की तस्करी में कई गिरफ्तारियां होने के बाद आलोक सिंह विदेश भागने की फिराक में भी था। पूछताछ में आलोक ने एसटीएफ को बताया कि सरेंडर करने जा रहा था। लखनऊ कोर्ट में इसके लिए अर्जी भी दाखिल की थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने उसे दबोच लिया। कफ सिरप कांड में अब तक कुल 3 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। आलोक से पहले 27 नवंबर को अमित सिंह टाटा, 30 नवंबर को भोला जायसवाल को पकड़ा गया था। आलोक का पैतृक घर चंदौली में है।

लखनऊ में नाका के मोतीनगर में भी उसका घर है। साल–2006 में प्रयागराज के कारोबारी से लखनऊ में 4 किलो सोना लूट लिया गया था। इस मामले में 5 पुलिसकर्मियों समेत 7 लोग आरोपी बनाए गए थे। आरोपियों मे दरोगा संतोष सिंह, बृजनाथ यादव, तत्कालीन लखनऊ क्राइम ब्रांच के सिपाही सुशील पचौरी, आलोक सिंह और संतोष तिवारी के साथ नीरज गुप्ता और सुभाष भी शामिल थे। पुलिस ने शुरुआती दौर में 3 किलो सोना बरामद करने का दावा किया था। इसके बाद आलोक और सुशील पचौरी को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। हालांकि, मामला कोर्ट में जाने पर आलोक सिंह के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद 27 सितंबर, 2022 में उसे सेवा में बहाल कर दिया गया था। इस बीच आलोक पर नाका क्षेत्र में व्यापारी से लूट समेत कई संगीन आरोप लगे। तब उसे लाइन हाजिर कर दिया गया। उसी दौरान उसकी नजदीकियां पूर्व सांसद धनंजय सिंह से बढ़ीं। इसके बाद वह रियल एस्टेट और अन्य कारोबार के जरिए प्रभावशाली बन गया। इसी बीच, 2019 में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और आलोक सिंह पर आरोप लगा था कि हजरतगंज इलाके में मुख्तार अंसारी के प्रतिनिधियों पर जानलेवा हमला किया है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि आलोक सिंह से पूछताछ में दुबई कनेक्शन और नेटवर्क को शह देने वाले लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। उससे जुड़े रियल एस्टेट कारोबार, फर्जी फर्मों और स्लीपर सेल जैसी संरचना की भी जांच की जाएगी। खासतौर पर उन सफेदपोशों और प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर फोकस है, जिनके संरक्षण में यह सिंडीकेट फल–फूल रहा था। आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और यूपी एसटीएफ की संयुक्त पूछताछ की तैयारी है। ईडी को शक है कि 100 करोड़ से अधिक के इस अवैध कारोबार में मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता साक्ष्य मिल सकते हैं। उसकी बैंकिंग ट्रांजैक्शन, विदेश यात्रा और संपर्कों का ब्योरा खंगाला जाएगा। अमित टाटा की गिरफ्तारी के अगले ही दिन उसके साथ धनंजय सिंह के फोटो–वीडियो वायरल होने लगे। इस पर बाहुबली धनंजय सिंह ने सफाई दी थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। कहा मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही। कोडीन मिक्स नशीली सिरप की तस्करी की ब्ठ जांच करानी चाहिए। मैं पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी को पत्र लिखूंगा। यूपी एसटीएफ ने गोमतीनगर से 27 नवंबर को 100 करोड़ रुपए की कोडीन मिक्स कफ सिरप तस्करी से जुड़े केस में अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अमित टाटा की धनंजय सिंह के साथ कई तस्वीरें वायरल हुईं। इससे सियासी हलचल बढ़ गई।

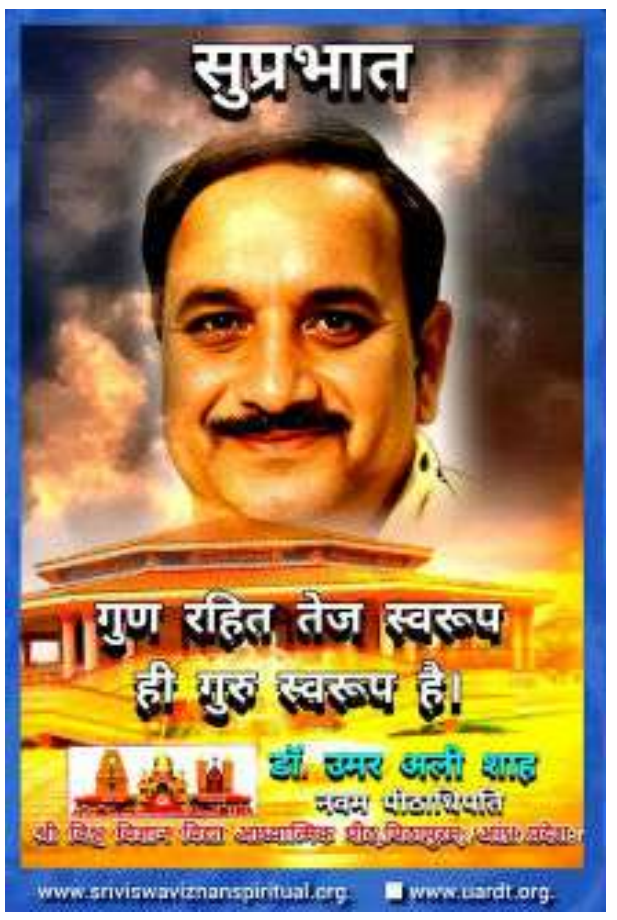

दी फूलों ने सीख

खिलकर प्रातःकाल में, दी फूलो ने सीख।
स्वागत सबका कीजिये, बन पावन तारीख।
बन जाए तारीख, अलग जो सबसे दिखता।
सुख–दुख से हो परे, हमेशा हँसता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, रहें जो हरदम मिलकर।
हँसते है दिन–रात, फूल–सा वह भी खिलकर।।

नाना रंगों में रँगा, फूलों का संसार।
राधा–सा ही श्याम से, करता निश्छल प्यार।
करता निश्छल प्यार, उसी की रचना कहके।
खुशबू का विस्तार, करे शब्दों को रच के।
सुन लो कहें प्रदीप, न कोई तानाबाना।
सीधा सरल स्वभाव,रँगा रंगों में नाना।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखलाये -केशव

लखनऊ, संवाददाता। उप–मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने मीडिया को संबोधित किया और मतदाता सूची संशोधन तथा एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा। कैबिनेट बैठक के बाद नेताओं ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और विपक्षी दलों के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखला गए हैं, क्योंकि वे देश को लूटने की साजिश कर रहे थे। जबकि देश श्एसआईआरश का वेलकम कर रहा है। डिप्टी सीएम केशव मौर्या ने कहा की 2047 तक की कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी का सत्ता में आने का सपना, सपना रह जाएगा। उन्होंने

कहा मतदाता सूची संशोधन न रुकने वाला है और न रुकेगा। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर बूथ लूटने का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी घुसपैठिया मतदाता सूची में नहीं रहेगा। उन्होंने बीएलओ से विपक्ष के बहकावे में न आने की अपील की। वहीं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा और कांग्रेस झूठ का पुलिंदा फैला रही है। उन्होंने बूथों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारी अच्छे से काम कर रहे हैं और केवल स्वर्गवासी हो चुके लोगों के नाम कट रहे हैं, जिस पर विपक्ष को दिक्कत हो रही है।उन्होंने कहा कि जो लोग गांव से शहरों में पलायन कर गए हैं, उनका नाम एक जगह होना चाहिए और इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जो बाहर के नागरिक हैं उन्हें निकाला जाना चाहिए।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को घुसपैठियों को बाहर करने के लिए बताया और कहा कि बिहार में कोई शिकायत नहीं आई।उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष का जिस तरह का रवैया है, पूरा देश देख रहा है। उधर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्षी लोग नहीं चाहते हैं कि मतदाता सूची में संशोधन हो। उन्होंने संसद न चलने देने के लिए विपक्ष के रवैये को गैर जिम्मेदाराना बताया।

राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को योगी कैबिनेट ने दी राहत, सरकार ने साफ किया ड्यूटी मानने का नियम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आवागमन के समय सहित ड्यूटी मानी जाएगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें खत्म होंगी। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली–2022 में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें, वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने–जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा, बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व भी और मजबूत होगा, क्योंकि अब उन्हें अनुमति लेने में कोई बाधा नहीं आएगी। मंत्रिमंडल ने वाराणसी में निर्माणाधीन डॉ. सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां खेलो इंडिया योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। एमओयू के तहत स्टेडियम परिसर में मौजूद खेल सुविधाओंय जैसे, भवन, ढांचे, मैदान और अन्य अवसंरचनाओं को साई को सौंपा जाएगा, ताकि यहां नेशनल सेंटर ऑफि एक्सीलेंस की स्थापना और संचालन सुचारु रूप से हो सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बनने के बाद प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलेगा। विभिन्न आयु वर्गों और खेल विधाओं के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे न सिर्फ उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभा को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व भी और सशक्त होगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से खिलाड़ियों के सामने भविष्य में रोजगार और खेल करियर दोनों की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही वाराणसी देश के प्रमुख खेल केंद्रों में से एक के रूप में उभरकर सामने आएगा।

एसकेडी एकेडमी का वार्षिक उत्सव प्रतिभा और गरिमा के भव्य प्रदर्शन के साथ संपन्न

लखनऊ, संवाददाता। एसकेडी एकेडमी का शानदार वार्षिक उत्सव 2025 आज संपन्न हो गया, जिसने संस्थान की विभिन्न शाखाओं में सांस्कृतिक जीवंतता, शैक्षणिक समारोहों और छात्रों के शानदार प्रदर्शनों से भरे कई दिनों की पराकाष्ठा को चिह्नित किया। ग्रैंड फिनाले ने संस्थान की उस परंपरा को बनाए रखा, जिसमें यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन होता है, बल्कि गणमान्य सरकारी और सामाजिक हस्तियों तथा एसकेडी समूह के मुख्य नेतृत्व की उपस्थिति वाला एक महत्वपूर्ण सामुदायिक समारोह भी होता है। मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन, ने अपनी सराहना व्यक्त करते हुए कहा यह वार्षिक उत्सव केवल एक वार्षिक समारोह नहीं हैय यह एसकेडी परिवार के भीतर निहित अपार क्षमता और सामूहिक भावना का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है। अपने छात्रों को ऐसे जुनून, अनुशासन और रचनात्मकता के साथ प्रदर्शन करते देखना हमें अद्वितीय गौरव से भर देता है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ प्रतिभा को पहचाना जाए, मूल्यों को बरकरार रखा जाए और हर छात्र को चमकने का एक मंच मिले। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई! निशा सिंह, उप निदेशक, और श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (शैक्षणिक), ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ और प्रशंसा व्यक्त की हम उन सभी छात्रों को अपना हार्दिक आशीर्वाद भेजते हैं जिन्होंने इस मंच को जीवंत कर दिया। आपकी ऊर्जा, उत्साह और कड़ी मेहनत इस उत्सव का दिल थे। हम इस वर्ष प्राप्त उच्च मानकों की वास्तव में सराहना और प्रशंसा करते हैं। मुख्य अतिथि रणवीर सिंह, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, उ.प्र. डॉ. प्रदीप सिंह जेडी, संयुक्त शिक्षा निदेशक, 6वां मंडल, उ.प्र. मुख्य अतिथियों ने एसकेडी एकेडमी की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों को शिक्षाविदों से परे अपनी क्षमता का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रेरणादायक लघु नाटक, जीवंत नृत्य प्रस्तुतियाँ और संगीत कार्यक्रम शामिल थे, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। दोनों स्थानों पर वार्षिक उत्सव 2025 की सफलता, श्री एस.के.डी. सिंह जी, अध्यक्ष, एस.के.डी. ग्रुप, के मूलभूत दृष्टिकोण और संपूर्ण एकेडमी स्टाफ के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। इस आयोजन ने कला और संस्कृति के उत्सव को शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों की पहचान के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ा, जिससे गुणवत्तापूर्ण, मूल्य–आधारित शिक्षा के ध्वजवाहक के रूप में एकेडमी की प्रतिष्ठा मजबूत हुई।

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय–जयवीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक ने प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को नई गति देने वाले तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। बैठक में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन के प्रस्ताव के साथ–साथ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी और बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीनों प्रस्तावों पर कैबिनेट की सहमति को प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। कैबिनेट ने अयोध्या में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय निर्णय का मार्ग प्रशस्त किया है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण, रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम में एक बड़े सांस्कृतिक संग्रहालय की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे सरकार ने मंजूरी दी।मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के अनुपालन में ग्राम मांझा जमधरा, तहसील सदर, जनपद अयोध्या की नजूल भूमि पर टाटा ग्रुप के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन हेतु एक त्रिपक्षीय एमओयू 3 सितम्बर 2024 को हस्ताक्षरित किया गया। मात्र1 रुपए वार्षिक धनराशि पर 90 वर्षों के लिए आवंटित 25 एकड़ भूमि के साथ 52.102 एकड़ का निःशुल्क हस्तांतरण पर्यटन विभाग के पक्ष में प्रस्तावित है। टाटा समूह द्वारा बनाए जाने वाले विश्व स्तरीय संग्रहालय का उद्देश्य प्राचीन मंदिर वास्तुकला शैलियों का विकास, सिद्धांतों, क्षेत्रीय शैलियों और साहित्य कलात्मक और ऐतिहासिक रुचियों के वस्तुओं आदि का व्यापक प्रदर्शन करना है। यह संग्रहालय अयोध्या आने वालों के लिए सुखद अनुभूति प्रदान करेगा। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या आज विश्वस्तरीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में तेजी से विकसित हो रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 2 से 4 लाख यात्रियों का अयोध्या धाम आना इस बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट संकेत है। राम मंदिर देशी–विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। ऐसे में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन आगंतुकों के लिए एक विशेष उपहार होगा। यह परियोजना न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी, बल्कि आधुनिक विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास और आर्थिक प्रगति का एक नया मॉडल भी प्रस्तुत करेगी। मंदिर संग्रहालय के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा व अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। एक अन्य प्रस्ताव के रूप में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली–2025 को मंजूरी प्रदान की है। नई नियमावली के तहत प्रकाशन अधिकारी, अपर,जिला पर्यटन अधिकारी तथा पर्यटन सूचना अधिकारी के पदों का सृजन एवं विनियोजन किया गया है। अधिकारी स्तर के पदों पर चयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को दी गई है, जबकि अधीनस्थ सेवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से सम्पन्न होगी। निर्धारित योग्यताओं, सेवा शर्तों और संरचित चयन प्रक्रिया के साथ यह नई व्यवस्था प्रदेश में पर्यटन संचालन, जनसंपर्क प्रबंधन तथा पर्यटक सहायता सेवाओं को और अधिक सुगम, पारदर्शी और कुशल बनाएगी। वर्तमान समय में विश्व भर में वेलनेस टूरिज्म की अवधारणा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार ने जनपद बागपत के ग्राम हरिया खेड़ा, तहसील–बागपत स्थित 70.885 हेक्टेयर भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है। यह परियोजना सार्वजनिक–निजी सहभागिता पीपीपी मोड के माध्यम से विकसित और संचालित की जाएगी। यह केंद्र योग, प्राकृतिक उपचार और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देगा। सरकार का लक्ष्य अयोध्या को विश्वस्तरीय सुविधाओं के आधार पर संस्कृति और आस्था के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। नई भर्ती नियमावली और अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर के जरिए पर्यटन सेवाएं अधिक दक्ष, जवाबदेह और जन–उन्मुख बन सकेंगी। कैबिनेट के निर्णयों के साथ उत्तर प्रदेश एक समृद्ध पर्यटन अनुभव और अधिक संगठित, जन–केंद्रित पर्यटन प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

हर महीने 21 तारीख को नौकरी का मौका

योगी सरकार बना रही बेरोजगार युवाओं की लिस्ट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार अब हर महीने की 21 तारीख को रोजगार मेला आयोजित करेगी, जहां बेरोजगार युवाओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए सरकार ने राज्यभर में बेरोजगार युवाओं की विस्तृत सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि उन्हें रोजगार मेलों में प्राथमिकता दी जा सके। यूपी कौशल विकास मिशन के तहत सभी मंडलों में 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से कौशल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है।पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षण लेने वाले बेरोजगार युवाओं का विस्तृत डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इन्हें प्रत्येक माह 21 तारीख को आईटीआई में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में अवसर मिलेगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने जिला समन्वयकों और एमआईएस प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में किसी भी तरह की गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित संस्था को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए पासवर्ड–प्रोटेक्टेड प्रश्नपत्र भेजे जाएंगे। प्रतियोगिता के बाद हर कौशल क्षेत्र से पांच योग्य अभ्यर्थियों के नाम मिशन कार्यालय को भेजने होंगे। चयनित उम्मीदवारों की मंडल स्तर तक भागीदारी अनिवार्य रहेगी, ताकि वे प्रदेश स्तर तक आगे बढ़ सकें। यूपी सरकार की ओर से राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सी.एम.पी.डिग्री कॉलेज को मिला सर्वोत्तम स्थान

प्रयागराज। सनबीम विमेंस कालेज, वरुणा वाराणसी, में मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल की रीजनल

मीट में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सबसे बडेघ संघटक महाविद्यालय सी.एम.पी.डिग्री कालेज के इंस्टिट्यूट इनोवेशन सेल को पोस्टर प्रेजेंटेशन में मिला सर्वोत्तम स्थान।सी.एम.पी.डिग्री कालेज की आइआइसी संयोजक प्रोफेसर अर्चना पांडेय, सहसंयोजक डॉक्टर हिमानी चौरसिया लगातार आईईसी के मानदंडों के हिसाब से पूरे साल कार्यक्रम करती एवं नवाचार के माध्यम से छात्रों को एक नई दिशा देने का प्रयास करती हैं। समाज के लगभग सभी क्षेत्र के एक्सपर्ट को बुलाकर कॉलेज में छात्रों के बीच में लेक्चर कराना, छात्रों का टूर ले जाकर उनको नवाचार के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें उद्यमिता के नए सोपान से अवगत कराने का निरंतर प्रयास करती हैं। सीएमपी लगातार सक्रियता से पूरी टीम के साथ इस अभियान को आगे बढाघ रहा है। इस रीजनल मीट में प्रोफेसर अर्चना पाण्डेय, डॉ. हिमानी चौरसिया एवं अश्वनी शर्मा ने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।इस उपलब्धि पर कालेज के प्राचार्य प्रो.अजय प्रकाश खरे नें आइ. आइ.सी संयोजिका सहित पूरी कमेटी को बधाई दी।

गुरु गोविंद सिंह जयंती पर रहेगा अवकाश, शासना ने जारी किया आदेश; 27 दिसंबर को अवकाश घोषित

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार ने 27 दिसंबर 2025 को गुरु गोविंद सिंह जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। इस संबंध में मंगलवार को शासन की ओर से आधिकारिक शासनादेश जारी कर दिया गया। शासनादेश के अनुसार यह अवकाश सभी सरकारी कार्यालयों, निगमों, परिषदों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में लागू रहेगा। शासन के अधिकारियों ने बताया कि सिक्ख समुदाय की भावना और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए अवकाश घोषित किया गया है। गुरु गोविंद सिंह जी सिख धर्म के दसवें गुरु थे, जिन्होंने न्याय, त्याग, साहस और धर्म रक्षा के अद्वितीय संदेश दिए। सरकारी कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए 27 दिसंबर को सभी शासकीय कार्यालय, विद्यालय और संस्थान बंद रहेंगे।

हर मण्डल में खुलेगा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र : कश्यप

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केवल 37 जनपदों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 11 ही मण्डल मुख्यालयों पर संचालित हैं।

सम्पादकीय.....

अवसाद से मुक्ति

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनावग्रस्त हो जाते हैं। एक भय हावी हो जाता है, जिससे वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। कुछ छात्र तो अक्सर खूब पढ़कर जाने के बावजूद परीक्षा के दौरान तनाव के चलते सब कुछ भूल जाते हैं। दरअसल, हमारा शैक्षिक परिवेश हाल के दिनों में बेहद प्रतिस्पर्धी हो चला है। मासूम बच्चों के सामने गला–काट स्पर्धा होती है। विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़े हैं, जिससे स्पर्धा और कठिन हो गई है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश हो या फिर नौकरी के अवसर, वे प्रतियोगियों के मुकाबले बहुत कम होते हैं, जिसकी परिणति छात्रों में बढ़ते तनाव और कालांतर में उसके अवसाद में बदलने के रूप में होती है। यही वजह है कि स्कूल–कालेजों के परीक्षा परिणाम आने पर देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुर्खियां अखबारों में बनती हैं। सुखद है कि अब आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसे शारीरिक संकेतकों का पता लगाया है, जिससे पता चल सकेगा कि किन छात्रों में परीक्षा के दौरान चिंता बढ़ने का जोखिम अधिक है। इस खोज को शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन व प्रदर्शन सुधारने हेतु बड़े बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में यह शोध 'बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजना भी तैयार हो सकेगी। यह वैज्ञानिक सत्य है कि किसी भी व्यक्ति में मस्तिष्क व हृदय के बीच संचार–तंत्र टूटने से तनाव पैदा होता है। ऐसे में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा के तनाव को पहचानने के जो जैविक संकेत पहचाने हैं, वे आने वाले समय में परीक्षा तनाव प्रबंधन में मददगार साबित हो सकते हैं। कोशिश है कि अब एआई की मदद से छात्रों के तनाव जोखिम की पहचान की जा सके। दरअसल, नये शोध की मुख्य बातें दो शारीरिक संकेतों को जोड़ने में निहित हैं। फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री यानी एफएए, जो कि भावनात्मक नियमन का मस्तिष्क आधारित संकेतक है। दूसरा हार्ट रेट वैरिएबिलिटी, जो हृदय के अनुकूलन नियंत्रण को मापता है। ये संकेत चिंताग्रस्त छात्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। शोधार्थियों ने पाया कि जिन छात्रों में एफएए पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव से हृदय के संतुलन तंत्र की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। दरअसल, परीक्षा को लेकर जो अधिक फिक्र है, वो हृदय की प्रतिक्रिया को भी बाधित करती है। परिणामस्वरूप वे अधिक तनाव में आ जाते हैं। शोध में इन तथ्यों को भी समझने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र परीक्षा के तनाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करने में कैसे सफल हो जाते हैं। वहीं कुछ छात्र चिंताग्रस्त होकर परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। दरअसल, साल भर नियमित पढ़ाई न करने और परीक्षा सामने आने पर वे घबराहट में तनावग्रस्त हो जाते हैं। एनसीआरटी का एक अध्ययन बताता है कि देश में 81 फीसदी छात्र परीक्षा को लेकर तनाव में रहते हैं। उम्मीद है नया शोध का निष्कर्ष समस्या का कारगर समाधान करेगा।

शीतकालीन सत्र में बढ़ेगा सियासी तापमान

डॉ. दीपक पाचपोर

अगर सत्र चलेंगे तो विपक्षी सांसद सवाल पूछेंगे, जिनके जवाब ऑन रिकॉर्ड देना सरकार की मजबूरी हो जाएगी। इसलिए सत्र सरकार की तरफ से ही कई बार बाधित किया जाता है।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरु हो रहा है, जो 19 दिसंबर तक चलेगा। सत्र शुरु होने से पहले रविवार को परंपरानुसार सर्वदलीय बैठक हुई, जिसके बाद सरकार की तरफ से दावा किया गया कि सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्ष के साथ तालमेल बिठाया जाएगा। वहीं विपक्ष से उम्मीद जताई गई कि वह अपने सवालों को अध्यक्ष के जरिए सदन में उठाए और लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए संसद की मर्यादा बनाए रखे। सत्र को अकारण बाधित न करे। जिन लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादा की उम्मीद सरकार विपक्ष से कर रही है, असल में वही अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनने वाले हैं। क्योंकि विपक्ष ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि लोकतंत्र में मतदान के अधिकार को बचाने के लिए एसआईआर के खिलाफ बड़ी लड़ाई छेड़ी जाएगी और संसद में इस मुद्दे को पूरे दमखम के साथ उठाया जाएगा।वहीं लालकिले के पास आतंकी हमला, दिल्ली का प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में तैयारी की कमी, आर्थिक सुरक्षा और कमजोर पड़ती विदेश नीति जैसे अहम मुद्दों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा। लोकसभा में उपनेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई ने इस तरफ भी ध्यान दिलाया कि यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा, जिसमें केवल 15 कामकाजी दिन ही होंगे। श्री गोगोई ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने एक गंभीर बात कही है कि सरकार की तरफ ज्यादातर राजनीतिक चर्चाएं आभासी होती हैं, जबकि जनता के बुनियादी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि सरकार चुनावों से आगे भी सोचेगी। भारत की जीडीपी वृद्धि से लेकर एसआईआर विषय तक, इन पर व्यापक चर्चा होनी चाहिएय वरना संसद सिर्फ एक संग्रहालय जैसी संरचना बनकर रह जाएगी।दरअसल पिछले सत्रों को देखें तो मनोज झा की बात ही सच भी दिखती है कि सरकार की दिलचस्पी संसद चलाने से अधिक समय बिताने की है। अगर सत्र चलेंगे तो विपक्षी सांसद सवाल पूछेंगे, जिनके जवाब ऑन रिकॉर्ड देना सरकार की मजबूरी हो जाएगी। इसलिए सत्र सरकार की तरफ से ही कई बार बाधित किया जाता है। पिछले मानसून सत्र में यही हुआ। एसआईआर पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी और विपक्ष इसकी मांग करता रह गया। नतीजा यह हुआ कि 120 घंटों की जगह केवल 35 घंटे काम हुआ। इस बार भी ऐसा ही होने की आशंका बलवती है। क्योंकि बिहार चुनाव में धांधली के आरोप अब भी बरकरार हैं और इसके बाद प. बंगाल, उत्तरप्रदेश समेत 12 राज्यों में जो एसआईआर चल रही है, उसमें बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौतें गंभीर मुद्दा बन चुका है। तृणमूल कांग्रेस की शुक्रवार को ही चुनाव आयोग के साथ दो घंटे बैठक हुई, जिसमें टीएमसी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के मुंह पर ही कह दिया कि चुनाव आयोग के हाथों में खून लगा है। हालांकि आश्चर्य की बात ये है कि ज्ञानेश गुप्ता ने इस बात से अनभिज्ञता जाहिर की कि कई बीएलओ एसआईआर के दबाव में अकाल मौत का शिकार हो चुके हैं।बिहार के बाद चुनाव आयोग एसआईआर को अन्य राज्यों में शुरु कर चुका है। भाजपा भी यह मान रही है कि वह बिहार के बाद प.बंगाल को फतह कर लेगी और बाकी राज्यों में भी उसी की जीत होगी। संसद सत्र की तारीखों का काफी पहले ऐलान इसी अति आत्मविश्वास को दिखाता है। आम तौर पर संसद सत्र की तारीखों की जानकारी हफ्ते–दस दिन पहले दी जाती है, लेकिन इस बार 8 नवंबर को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने बता दिया था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब से कब तक चलेगा। वह समय बिहार चुनावों का था। जिसमें जमीनी रिपोर्ट्स बता रहीं थी कि एनडीए के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। एसआईआर में लाखों वोटों का कटना, कानून व्यवस्था का मामला, बेरोजगारी, महंगाई इन सबके साथ 20 बरसों की नीतीश सरकार के लिए एंटी इन्कमबेंसी जैसे कारक एनडीए का नुकसान दिखा रहे थे। वहीं महागठबंधन में लोग नयी उम्मीद देख रहे थे। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री के लिए जनता की पहली पसंद लगातार बने रहे और राहुल गांधी की लोकप्रियता बिहार में नरेन्द्र मोदी से ज्यादा थी, यह कई सर्वे में जाहिर हुआ। लेकिन भाजपा के नेता पूरी तरह आश्वस्त थे कि कुछ भी हो, सरकार उन्हीं की बनेगी। बल्कि अमित शाह ने तो सौ से ऊपर सीटें लाने का दावा किया था। और ऐसा ही हुआ भी, एनडीए को प्रचंड जीत मिली, जबकि विपक्ष ने बुरी हार झेली। इस पूरे घटनाक्रम में यही समझ आता है कि भाजपा भविष्यवक्ता तो नहीं है, लेकिन भविष्य में क्या होने वाला है, इसकी पूरी जानकारी उसे है। क्योंकि सारी संस्थाएं इस समय उससे तालमेल करके ही चल रही हैं। इसलिए बिहार चुनावों के बीच में शीतकालीन सत्र का ऐलान कर दिया गया। भाजपा शायद जानती थी कि वह बड़ी जीत दर्ज करेगी और संसद सत्र में इस जीत के उत्साह से लबरेज अपनी मनमानी चलाएगी।

देश में तर्क से ज्यादा मजबूत है अंधविश्वास

देवी एम. चेरियन

ऐसे देश में जहां लोग शनिवार को अपने नाखून नहीं काटते या तीन ज्योतिषियों और पड़ोस की आंटी से पूछे बिना प्रॉपर्टी नहीं खरीदते, यह मानना बिल्कुल नादानी होगी कि भारतीय नेता, क्रिकेटर और फिल्म स्टार सिर्फ लॉजिक से चलते हैं। पावर पॉलिसी से, टैलेंट ट्रेनिंग से और फेम कड़ी मेहनत से मिल सकती है लेकिन पर्दे के पीछे कहीं,अभी भी एक छोटा नारियल तोड़ा जा रहा है, दरवाजे पर एक नींबू रखा जा रहा है और बस किसी भी स्थिति के लिए प्रार्थना फुसफुसाई जा रही है। चलिए राजनीति से शुरू करते हैं। गंभीर चेहरों, लंबे भाषणों और अजीब समय पर लिए गए फैसलों की दुनिया देखिए। यह कोई सीक्रेट नहीं है कि नरेंद्र मोदी, एक मजबूत और निर्णय लेने वाले नेता के तौर पर देखे जाने के बावजूद, आध्यात्मिक प्रक्रिया में गहराई से जुड़े हुए हैं। बड़े राजनीतिक मौकों से पहले केदारनाथ, काशी विश्वनाथ और दूसरी पवित्र जगहों पर उनके दौरे दूर–दूर तक जाने जाते हैं। जहां समर्थक आस्था देखते हैं, वहीं आलोचक रणनीति देखते हैं लेकिन किसी भी तरह से, देश ने देखा है कि उनके करियर के अहम दौर अक्सर भगवान को चुपचाप प्रणाम करने से शुरू होते हैं। इसी तरह, भारत में लंबे समय से सुना जा रहा है कि अलग–अलग पार्टियों के नेता चुनाव से पहले चुपचाप ज्योतिषियों से सलाह लेते हैं। इंदिरा गांधी जैसी पुरानी नेता खुले तौर पर आध्यात्मिक सलाह लेती थीं और यह सब जानते हैं कि ज्योतिषियों ने कभी कांग्रेस की राजनीतिक प्लानिंग में भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि दिल्ली में ऑफिस को वास्तु शास्त्र के हिसाब से एक से ज्यादा बार रीडिजाइन किया गया है। दीवारें बदली गई हैं, शीशे लगाए गए हैं, फव्वारे लगाए गए हैं। यह सब यह पक्का करने के लिए किया गया है कि राजनीतिक एनर्जी उत्तर–पूर्व की ओर बहे और मुसीबत में न पड़े। नेता हर इंटरव्यू में इससे इंकार करेंगे लेकिन फिर भी पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स में धीरे–धीरे और सावधानी से कदम रखते हुए जाएंगे जैसे कि फर्श खुद ही बुरी किस्मत के प्रति सैंसिटिव हो। अगर राजनीति ड्रामा है तो क्रिकेट भाव है। और अगर कोई ऐसा मैदान है जहां अंधविश्वास सच में स्टेडियम की लाइट से ज्यादा चमकता है तो वह क्रिकेट पिच है। सचिन तेंदुलकर अपना बायां पैड पहले पहनने के लिए मशहूर थे। भगवान या इत्तेफाक, किसी ने भी ऑर्डर बदलने की हिम्मत नहीं की। धोनी जो बाहर से बर्फ की तरह ठंडे हैं, मिलिट्री डिसिप्लिन के साथ रूटीन पर टिके रहने के लिए भी जाने जाते हैं। एक समय में उनके लंबे बाल सिर्फ एक स्टाइल नहीं थे। फैंस का मानना था कि यह टीम इंडिया के लिए किसी लक्की चार्म से कम नहीं है। फिर विराट कोहली हैं, जिन्हें बड़े टूर्नामैंट से पहले मंदिरों में जाते, पवित्र धागे बांधते और यह पक्का करते देखा गया है कि कुछ आध्यात्मिक आदतें उनकी जिंदगी का हिस्सा बनी रहें। और कौन भूल सकता है कि कैसे पूरा देश अचानक

अच्छी वाइब्स में विश्वास करने लगा जब अनुष्का शर्मा को टैंशन वाले मैचों के दौरान स्टैंड्स में मैडिटेशन करते देखा गया। अगर इंडिया जीता तो लोग मजाक में कहते थे कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बॉलर तक 'पॉजिटिव योग एनर्जी' पहुंच गई थी। सबसे निडर बॉलर और हिटर के दिमाग में भी अनदेखी लिस्ट होती है। वही मोजे, वही ग्लव्स, वही वार्म अप प्लेलिस्ट, पिच तक जाने का वही रास्ता तय होता है। रास्ता बदलो और अचानक विकेट गिर जाता है। साइंस भले ही हंसे लेकिन क्रिकेट फैंस इस पर आपसे लड़ेंगे। और अब हम बॉलीवुड पर आते हैं। एक ऐसी दुनिया जो डायरैक्टर नहीं बल्कि स्टार चलाते हैं। स्क्रीन पर भी और आसमान में भी। अजय देवगन लंबे समय से नंबर 9 से जुड़े रहे हैं, उन्होंने अपनी कई फिल्में इसी तारीख को रिलीज की हैं क्योंकि न्यूमरोलॉजी इसे पसंद करती है। एकता कपूर ने अपने शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के टाइटल में एक्स्ट्रा अक्षर इसलिए जोड़े क्योंकि उनके न्यूमरोलॉजिस्ट ने सलाह दी थी कि ऐसा सफलता के लिए एक बूस्टर शॉट है। और उस फार्मूले से कौन बहस कर सकता है जिसने सालों तक इंडियन टैलीविजन पर राज किया। शाहरुख खान अपनी गहरी आस्था के लिए जाने जाते हैं और अक्सर बड़ी रिलीज से पहले धार्मिक जगहों पर जाते हैं। सलमान खान, जिनके करियर ने बहुत उतार–चढ़ाव देखे हैं, वे भी प्रोटैक्टिव चार्म रखने के लिए जाने जाते हैं। डिसिप्लिन और इटैलिजैंस के सिंबल अमिताभ बच्चन के बारे में कहा जाता है कि वे रैगुलर एस्ट्रोलॉजर से सलाह लेते हैं और कुछ खास रत्नों में उनकी गहरी आस्था है। हाइटैक कैमरों और इंटरनैशनल क्रू वाले मॉडर्न सैट पर भी 'मुहूर्त' शब्द आज भी मौजूद है। फिल्म के पहले शॉट को आशीर्वाद दिया जाता है, क्लैपबोर्ड को एक पवित्र चीज की तरह माना जाता है और एक प्रोड्यूसर नहीं, पुजारी प्रोजैक्ट शुरू करता है। इसके बिना, सबसे एडवांस्ड कैमरा भी पलक झपकाने से मना कर देता है।इस सब की कॉमेडी यह है कि अंधविश्वास अब लगभग फैशन बन गया है। फिल्मों के टाइटल नंबरों की वजह से बदलते हैं, घर दिशाओं की वजह से चुने जाते हैं, कारें कलर कॉम्बिनेशन की वजह से खरीदी जाती हैं और मोबाइल नंबर नैटवर्क के लिए नहीं बल्कि 'शुभ योग' के लिए चुने जाते हैं। डिजाइनर सनग्लास और सिक्योरिटी गार्ड के पीछे, पावर और पैसे के पीछे, आज भी एक आम इंसान है जो इस अनप्रिडिक्टेबल दुनिया में तसल्ली ढूंढ रहा है। क्या अंधविश्वास बेवकूफी है? शायद। क्या यह सुकून देने वाला है? बिल्कुल। जब लाखों लोग आपके फैसलों पर निर्भर हों, जब कैमरे आपको कभी न छोड़ें, जब एक छोटी सी गलती कल की हैडलाइन बन जाए तो थोड़ी ज्यादा सुरक्षा की चाहत रखना इंसानी फितरत है,भले ही वह कलाई पर बंधे लाल धागे के रूप में हो। आखिर में,अंधविश्वास जादू के बारे में नहीं है। यह कंट्रोल के बारे में है। मन और दुनिया के बीच एक चुपचाप किया गया समझौता है कि 'तुम मेरी मदद करो और मैं तुम पर विश्वास करूंगा।' और भारत जैसे देश में, जहां विश्वास तर्क से ज्यादा मजबूत है और उम्मीद डर से ज्यादा मजबूत है, शायद अंधविश्वास कोई कमजोरी ही नहीं है।

भारत विश्व के लिए आदर्श और प्रेरणादायी देश बनेगा

अवधेश कुमार

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ शास्त्रीय परंपरा के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण हो गया। विरोधियों की प्रतिक्रियाएं वैसी ही हैं जैसी 22 जनवरी 2024 के प्राण प्रतिष्ठा के समय थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डा. मोहन भागवत के बटन दबाने के साथ ध्वज का धीरे–धीरे ऊपर चढना और अंततरू मंदिर के शिखर पर विराजमान होकर लहराना भारत के बहुत बड़े वर्ग के लिए वेदनाओं से पूर्ण संघर्ष के युग के समापन और नये युग के सूत्रपात का साक्षात स्वरूप बन गया। सच है कि राजनीतिक और गैर–राजनीतिक विपक्ष ने कभी भी श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य तो छोड़िए, इसके विचार का समर्थन नहीं किया। प्रत्यक्ष और परोक्ष इसके मार्ग में जितनी अड़चनें डाली जा सकती थीं डाली गईं। जिन लोगों ने शास्त्रों में वर्णित अयोध्या को ही काल्पनिक साबित करने के लिए इतिहास के नाम पर पुस्तकें लिखवाईं, अभियान चलाया न्यायालय में इसके विरुद्ध मुकद्दमे लड़े और इलाहाबाद उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर आज तक प्रश्न खड़ा करते रहे हैं, उनसे हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया या समर्थन करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ध्यान रखिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत के उद्बोधनों के भाव में बिल्कुल समानता थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वर भी ऐसा ही था? भारत की सही समझ और राष्ट्र के लक्ष्य की यथार्थ कल्पना के कारण स्वर में समानता बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगर 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की याद दिलाते हुए ध्वजारोहण के साथ सम्बन्ध किया तो भारत को समझने वालों के लिए यह बिल्कुल स्वाभाविक है। जिन्हें समझ नहीं या समझते हुए भी राजनीतिक रूप से विरोध करना है उनके लिए यह उपहास और विरोध का ही विषय होगा। बात अत्यंत सरल है। किसी भी समाज के अंदर यह भाव बिठा दिया जाए कि आपकी संपूर्ण सभ्यता जो धर्म से निर्धारित है वह कपोल कल्पनाओं, मिथकों और बहुत हद तक अंधविश्वासों से भरी है तो उसके अंदर एक समाज और राष्ट्र के रूप में बड़े लक्ष्य पाने की प्रेरणा का स्रोत पैदा होना कठिन हो जाएगा। श्रीराम मंदिर आंदोलन केवल एक सामान्य मंदिर के लिए नहीं था बल्कि उसका लक्ष्य सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय पुनर्जागरण तथा स्थायी प्रेरणा स्रोत खड़ा करने के लिए था ताकि भारत जागृत रहे और हम सब देश को शीर्ष पर ले जाने के लिए प्राणपण से संकल्पित हो। सनातन परंपरा में शिखर पर लहराते ध्वज को मंदिर का रक्षक, ऊर्जा का वाहक और पूर्णता तथा ईश्वर की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है। ध्वजा से ही मंदिर को पूर्णता प्राप्त होती है। कौन सा निशान रामलला के धाम की पवित्रता और युगों तक कायम रहने वाली सनातन परंपरा का प्रतिनिधित्व करेगा इसके चयन के लिए अनेक ग्रंथों को खंगाला गया। रामचरितमानस,भारत की सभी भाषाओं के रामायण देखे गए। विश्वकर्मा वास्तु शास्त्र के अध्याय 42 में ध्वजाओं के लक्षणों का विस्तृत वर्णन है। महाभारत, ऋग्वेद, विष्णुधर्मोत्तर पुराण में ध्वज का वर्णन है। इसमें भगवान विष्णु के ध्वज का रंग पीला और सुनहरा बताया गया है जो इनके अवतार होंगे उनके ध्वज का रंग केसरिया और पीतांबरी होगा। सूर्यवंशी होने के कारण सूर्य का निशान अंकित है। सूर्य जीवंतता और ऊर्जा का भी प्रतीक होता है। रघुकुल का राजकीय निशान होने के कारण कोविदार वृक्ष को अंकित किया गया है। हरिवंश

पुराण में उल्लेख है कि महर्षि कश्यप ने पारिजात के पौधे में मंदार के गुण मिलाकर इसे तैयार किया था। वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड के अनुसार चित्रकूट में वनवास के दौरान भगवान राम ने लक्ष्मण को ध्वजों से विभूषित अश्व और रथों से आती हुई सेना की सूचना दी और इसके बारे में पता लगाने को कहा। इसे देखकर लक्ष्मण ने कहा कि 'निश्चय ही दुष्ट दुर्बुद्धि भरत स्वयं सेना लेकर आया है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसी अभिनेत्री नेहा शर्मा

ईडी के सवालों में उलझीं! 11 करोड़ से ज़्यादा की संपत्ति कुर्क ?

नेहा शर्मा एक इंडियन एक्ट्रेस, मॉडल और बिज़नेसवुमन हैं। शर्मा यमला पगला दीवाना 2, सोलो और तान्हाजी जैसी कई फिल्मों में नज़र आ चुकी हैं। उन्होंने 2020 में सीरीज़ इल्लीगल से अपना वेब डेब्यू किया और शॉर्ट फिल्म कृति और विकल्प का भी हिस्सा रही हैं, जहाँ उन्होंने टाइटल रोल किए थे। नेहा शर्मा एक जाना माना चेहरा है। अब ताजा खबरों की माने तो नेहा शर्मा की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच '1एक्सबेट' से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन नि अधिकारियों ने बताया कि शर्मा (38) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जा रहा है। माना जा रहा है कि शर्मा कुछ विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी मंच से जुड़ी हुई हैं। संघीय जांच एजेंसी ने इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। कुराकाओ में पंजीकृत, '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज ऐप बताया गया है। ईडी ने कहा कि '1एक्सबेट' भारत में बिना अनुमति के काम कर रहा था और सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो तथा प्रिंट मीडिया के माध्यम से भारतीय उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के मकसद से विज्ञापनों का इस्तेमाल कर रहा था। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत में वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाया गया है। इस मामले में दो क्रिकेटरों की संपत्ति कुर्क किए जाने के अलावा ईडी ने इस जांच के तहत खेलजगत की हस्तियां युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला ('1एक्सबेट' की भारतीय ब्रांड एंबेसडर), मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की।

गोल्डन ज्वेलरी, बालों में गजरा और लाल साड़ी में राज निदिमोरु की दुल्हन बनी सामंथा, खुद शेयर की शादी की तस्वीरें

एक्टर नागा चौतन्य से तलाक के बाद एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी पर्सनल लाइफ में आगे बढ़ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने डायरेक्टर राज निदिमोरु संग डेटिंग के काफी समय बाद सात फेरे ले लिए हैं। शादी की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिन्हें देख हर कोई हैरान है और कपल को नई शुरुआत के लिए बध ाइयां दे रहे हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुल 5 तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने सिर्फ अपनी शादी की डेट 1.12.2025 लिखी है। पहली तस्वीर में राज निदिमोरु एक्ट्रेस को भगवान के सामने रिंग पहना रहे हैं। दूसरी फोटो में दोनों शादी की रस्में करते दिख रहे हैं। तीसरी फोटो में दुल्हन बनी सामंथा अपने पति की बांह कसकर पकड़े दिख रही हैं। चौथी फोटो में कपल गले में वरमाला पहने ज्योति लेता दिख रहा है, जबकि पांचवी और आखिरी फोटो में कपल शादी के बाद एक साथ बेहद प्यारा लग रहा है। इस दौरान सामंथा रेड साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने बालों गजरा और गोल्डन ज्वेलरी के साथ कंप्लीट किया है। वहीं, उनके पति व्हाइट कुर्ता और क्रीम कलर की बास्केट पहने हैंडसम दिख रहे हैं। बता दें, समांथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरु साल 2024 से रिलेशनशिप में थे, जिसके बाद आज सुबह 1 दिसंबर 2025 को कपल ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के लिंग भैरवी मंदिर में शादी कर ली। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।।

सलमान खान ने बिग बॉस में आशीष चंचलानी को द ओजी कहकर पेश किया

अपनी तेज कहानी कहने की शैली और कॉमिक इंस्टिंक्ट के लिए मशहूर आशीष चंचलानी अब अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट में उतर रहे हैं, जहाँ वे एकाकी में लेखक, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर चारों भूमिकाएँ निभा रहे हैं। एकाकी में आशीष चंचलानी की अगुवाई में उनकी ही क्रिएटिव टीम के कई परिचित चेहरे शामिल हैं। कुणाल छाब्हरिया को–प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरलल लीड हैं, जशन सिरवानी एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, और तनिष सिरवानी क्रिएटिव डायरेक्टर हैं।

यूट्यूब सेंसेशन आशीष चंचलानी अब पहले ऐसे डिजिटल स्टार बन गए हैं जिन्होंने अपनी यूट्यूब सीरीज एकाकी को देश के सबसे बड़े रियलिटी शो बिग बॉस पर प्रमोट किया है। बॉलीवुड आइकॉन और शो के होस्ट सलमान खान के साथ स्टेज शेयर करते हुए, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा चंचलानी, जिनके पास भारत के सबसे बड़े यूट्यूब फॉलोअर्स में से एक है, शो में अपनी नई लॉन्च–फॉर्म स्टोरीटेलिंग प्रोजेक्ट एकाकी को पेश करने के लिए नजर आए। एकाकी एक हॉरर–कॉमेडी थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, डर और ह्यूमर का मजेदार मिश्रण है– यह जॉनर आशीष चंचलानी की टाइमिंग और टेंशन बनाने की कला से बिल्कुल मेल खाता है। अपनी तेज कहानी कहने की शैली और कॉमिक इंस्टिंक्ट के लिए मशहूर आशीष चंचलानी अब अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट में उतर रहे हैं, जहाँ वे एकाकी में लेखक, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर चारों भूमिकाएँ निभा रहे हैं। एकाकी में आशीष चंचलानी की अगुवाई में उनकी ही क्रिएटिव टीम के कई परिचित चेहरे शामिल हैं। कुणाल छाब्हरिया को–प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरलल लीड हैं, जशन सिरवानी एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, और तनिष सिरवानी क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। गृशिम नवानी को–स्क्रीनप्ले राइटर हैं और रितेश साधवानी लाइन प्रोड्यूसर की भूमिका में हैं। एकाकी 27 नवंबर, 2025 को केवल एसीवी स्टूडियो के यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया।

विपुल अमृतलाल शाह का नया म्यूजिक लेबल हुआ लॉन्च, पहला गाना 'शुभारंभ' सिद्धिविनायक में रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह अब अपना क्रिएटिव काम और बढ़ा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के साथ मिलकर एक नया म्यूजिक लेबल 'सनशाइन म्यूजिक' लॉन्च किया है। असर सिनेमा और यादगार साउंडट्रैक्स बनाने के लिए जाने जाने वाले शाह ने अब नया सेगमेंट शुरू किया है, जिसका मकसद नए म्यूजिकल टैलेंट को तलाशना, उन्हें आगे बढ़ाना और प्रमोट करना है। लेबल की पहली पेशकश शुभारंभ आज मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में एक खास समारोह के दौरान लॉन्च की गई, जहाँ विपुल अमृतलाल शाह और शेफाली शाह मौजूद थे। यह शुरुआत सच में शुभ और दिल से जुड़ी हुई महसूस हुई। शुभारंभ के साथ, सनशाइन म्यूजिक यह दिखाना चाहता है कि आगे वह किस तरह का विविध और बेहतरीन क्वालिटी वाला कंटेंट पेश करने जा रहा है। प्रोजेक्ट को आशिन ए. शाह ने को–प्रोड्यूस किया है, जबकि म्यूजिक हेड सुरेश थॉमस लेबल की पहली बड़ी रिलीज की क्रिएटिव डायरेक्शन और पूरी लॉन्च प्रक्रिया संभाल रहे हैं। शाह की फिल्मों को हमेशा से ही उनके सोलफुल और मधुर गानों के लिए जाना जाता है। नमस्ते लंदन, लंदन ड्रीम्स, एक्शन रिप्ले और सिंह इज किंग जैसी म्यूजिकल कहानियाँ आज भी अपने म्यूजिक की वजह से सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में गिनी जाती हैं। विपुल अमृतलाल शाह हमेशा से ऐसी फिल्में बनाते आए हैं जो असर छोड़ती हैं और अलगदृअलग तरह की कहानियाँ चुनते हैं। यही वजह है कि शाह आज भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित और सफल प्रोड्यूसर्स में गिने जाते हैं।

श्रीदेवी के आकर्षण पर राम गोपाल वर्मा का विवादास्पद दावा, सिर्फ़ एक्टिंग नहीं, खूबसूरती भी थी उनकी शोहरत की वजह?

फ़िल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने एक बार फिर मशहूर एक्ट्रेस श्रीदेवी के बारे में अपने कमेंट्स की वजह से ध्यान खींचा। यह विवाद 2015 में तब शुरू हुआ जब वर्मा ने अपनी किताब 'गन्स एंड थाईज़: द स्टोरी ऑफ़ माई लाइफ़' में एक चौप्टर श्रीदेवी को डेडिकेट किया। किताब में, वर्मा ने खुले तौर पर दिवंगत एक्ट्रेस की सुंदरता और टैलेंट के प्रति अपने आकर्षण पर बात की, जिससे जनता और इंडस्ट्री के लोगों के बीच काफ़ी बहस छिड़ गई। ज़ूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, वर्मा ने अपनी बात का बचाव करते हुए पूछा, ऑब्जेक्टिफ़िकेशन में क्या गलत है? यह उनके टैलेंट के अलावा एक एसेट था। मुझे लगता है कि इसे ऑब्जेक्टिफ़िकेशन कहना ऑब्जेक्टिफ़िकेशन है। कोई इंसान यूनिक कैसे बनता है? इसके कारण होंगे। आपको इसे सिर्फ़ इस बात तक सीमित नहीं रखना चाहिए कि वह एक बेहतरीन एक्ट्रेस या एक बेहतरीन इंसान हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्यह इस वजह से भी हो सकता है। इससे क्यों बचना है? मैंने कब कहा कि वह एक्टर नहीं है? मैं कह रहा था कि उन्होंने (उसकी 'थंडर थाईज़') भी (उसकी शोहरत में) हिस्सा दिया है, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि एक स्टार की अपील में कई बातें शामिल होती हैं। वर्मा ने श्रीदेवी की तुलना दूसरे एक्टर्स से करते हुए इस बारे में और बताया, मेरा पर्सनली मानना ध्है कि अगर उसके पैर पतले होते, तो वह कभी स्टार नहीं बनती। वे पूरे पैकेज का हिस्सा थे। अगर अमिताभ बच्चन छह इंच छोटे होते, तो मुझे पक्का नहीं पता कि वह बड़े स्टार बनते। या अगर शाहरुख खान 6 इंच लंबे होते, तो मुझे नहीं पता कि वह बड़े स्टार बनते या नहीं। वर्मा, जो अपनी फिल्मों रंगीला, सरकार और कंपनी के लिए जाने जाते हैं, ने बाद में बताया कि उनकी कुछ पुरानी बातें मज़ाक में कही गई थीं, उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि वह एक एंजल थीं और कोई भी उन्हें छूने का हकदार नहीं था। जब मैं टीनएजर था, तो उनके बारे में यही मेरी फैंटेसी थी। डायरेक्टर की किताब में श्रीदेवी की बहुत तारीफ़ की गई थी, जिसमें लिखा था, वह भगवान की बनाई सबसे सेक्सी और खूबसूरत औरतों में से एक हैं, और मुझे लगता है कि वह इतने शानदार आर्ट पीस लाखों सालों में सिर्फ़ एक बार बनाते हैं। उन्होंने अपनी फ़िल्म क्षण क्षणम को उनके लिए अपना 'लव लेटर' बताया और शूटिंग के दौरान श्रीदेवी की मौजूदगी के असर के बारे में बतायाः हम नंदयाल में फ़िल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग कर रहे थे, और पूरा शहर रुक गया था। बैंक, सरकारी ऑफ़िस, स्कूल, कॉलेज, शहर में सब कुछ बंद हो गया क्योंकि हर कोई श्रीदेवी को देखना चाहता था। शादी के बाद श्रीदेवी की पर्सनल लाइफ़ के बारे में वर्मा की बातों से यह विवाद और बढ़ गया। फ़िल्म स्टार से घरेलू रोल में उनके बदलाव के बारे में बताते हुए उन्होंने लिखा, ष्जो औरत पूरे देश के मर्दों की हवस की चीज़ थी, वह अचानक दुनिया में अकेली रह गई, जब तक बोनी कपूर ने उस खालीपन को भरने के लिए कदम नहीं उठाया। तो, सीधे उनके सुपरस्टारडम, मैगज़ीन कवर और सिल्वर स्क्रीन पर उनकी शानदार खूबसूरती से, मैंने उन्हें बोनी के घर में एक आम हाउसवाइफ की तरह चाय परोसते देखा।

दोपहर का खाना खाने का सही समय

अकसर आपने घर के बड़े– बुजुर्गों से सुना होगा कि खाना खाने के तुरंत बाद अंगड़ाई नहीं लेना चाहिए। अगर आपको भी ऐसी आदत है तो आज से इसे सुधार लें, इससे आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। यह आदत पेट की समस्याओं का कारण बन सकती है। बेहतर है कि खाने के बाद हल्की चहल–पहल करें और शरीर को आराम देने के लिए गहरी सांस लेने का अभ्यास करें। आइ समझते हैं खाने के बाद अंगड़ाई लेने के क्या है नुकसान

पाचन प्रक्रिया में बाधा

खाना खाने के बाद पाचन तंत्र सक्रिय हो जाता है और पेट में रक्त प्रवाह बढ़ता है। अंगड़ाई लेने से पेट की मांसपेशियां खिंच सकती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इससे बपकपजल या गैस की समस्या हो सकती है।

पेट पर बढ़ता है दबाव

अंगड़ाई के दौरान पेट की दीवारें खिंच सकती हैं, जिससे भोजन को ठीक से पचाने में समस्या हो सकती है। यह एसिड रिफ्लक्स का कारण बन सकता है, जिसमें पेट का एसिड गले तक आ जाता है। खाना खाने के तुरंत बाद शरीर में मूवमेंट या खिंचाव करने से पेट की गैस्ट्रिक गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। इससे पेट में भारीपन, सूजन और दर्द की शिकायत हो सकती है।

रक्त प्रवाह में असंतुलन

खाना खाने के बाद शरीर का अधिकतर रक्त पाचन तंत्र की ओर प्रवाहित होता है। अंगड़ाई लेने से शरीर की अन्य मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे पाचन तंत्र को रक्त की कमी हो सकती है।

थकावट और नींद का प्रभाव

अंगड़ाई लेने से शरीर आराम महसूस करता है, जिससे नींद आने का संकेत मिल सकता है। खाना खाने के तुरंत बाद सोना या आराम करना पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

क्या करें खाना खाने के बाद?

–खाना खाने के बाद 5–10 मिनट हल्की चहल–पहल (ब्रिस्क वॉक) करें।

–भोजन के बाद कम से कम 30 मिनट तक अंगड़ाई न लें।

–शरीर को आराम देने के लिए गहरी सांस लेने का अभ्यास करें।

–खाना खाने के तुरंत बाद सोने या लेटने से बचें।

–खाने के तुरंत बाद बहुत अधिक पानी न पिएं।

मेथी के पत्तों से बनाएं नुचेरल हेयर कलर

क्या आपने कभी अपने बालों के लिए भिंडी के पानी के फायदों के बारे में सोचा है? जबकि बहुत से लोग भिंडी को एक पौष्टिक सब्जी के रूप में जानते हैं, बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका पानी बालों की देखभाल के लिए एक पावर हाउस है। हालांकि, यह केवल स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर नहीं होती, बल्कि यह बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। भिंडी का पानी, जो इस सब्जी को उबालने से निकलता है, बालों के विकास को प्रोत्साहित करने, बालों की गुणवत्ता सुधारने, और विभिन्न बालों की समस्याओं से निपटने के लिए एक प्राकृतिक उपाय माना जाता है। यह प्राकृतिक उपाय बालों के स्वास्थ्य को बढ़ाने, विकास को बढ़ावा देने और समग्र रूप को बेहतर बनाने की अपनी क्षमता के कारण लोकप्रिय हो रहा है। आइए बालों के लिए भिंडी के पानी के इन आवश्यक लाभों पर एक नजर डालें।

1. बालों की वृद्धि में सहायता करता है

भिंडी का पानी बालों की वृद्धि को उत्तेजित करने के लिए बेहद प्रभावी हो सकता है। इसमें विटामिन ए, सी और के के साथ–साथ फोलिक एसिड, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो बालों के विकास में सहायक होते हैं। यह पोषक तत्व बालों की जड़ को मजबूत करते हैं और खोपड़ी में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं, जिससे बालों की वृद्धि तेजी से होती है। नियमित रूप से भिंडी का पानी उपयोग करने से बालों का झड़ना भी कम हो सकता है और नए बालों का विकास शुरू हो सकता है।

2. बालों को नमी और चिकनाई प्रदान करता है

भिंडी में प्राकृतिक म्यूसिलेज (गमी) पाया जाता है, जो बालों को गहरी नमी और चिकनाई प्रदान करने में मदद करता है। यदि आपके बाल रूखे और बेजान हैं, तो भिंडी का पानी उन्हें मुलायम और शाइनी बना सकता है। यह बालों को हाइड्रेट करता है, जिससे बालों में प्राकृतिक चमक और सॉफ्टनेस बनी रहती है। सूखे बालों को हल्के से तेलीय महसूस करवा सकता है, जो बालों को मुलायम बनाता है और फ्रिज को कम करता है।

3. स्कैल्प की सेहत को सुधारता है

भिंडी का पानी खोपड़ी को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो खोपड़ी में होने वाली सूजन और जलन को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, यह खोपड़ी के रोम छिद्रों को साफ करता है, जिससे किसी भी प्रकार के इंफेक्शन या रूसी जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। भिंडी का पानी स्कैल्प पर रक्त संचार को भी बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों को बेहतर पोषण मिलता है।

4. बालों के झड़ने को कम करता है

भिंडी के पानी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बालों के झड़ने के कारणों को दूर करने में मदद कर सकते हैं। यह बालों के रोम को मजबूती प्रदान करता है और रोम छिद्रों को ब्लॉक होने से बचाता है। भिंडी का पानी बालों को गिरने से रोकता है और बालों को फिर से बढ़ने में मदद करता है। साथ ही, यह सिर की त्वचा में होने वाले बदलावों को नियंत्रित करता है, जिससे बालों की जड़ों में मजबूती आती है और बालों का झड़ना कम होता है।

5. बालों के रंग को बनाए रखता है

भिंडी का पानी बालों के प्राकृतिक रंग को बनाए रखने में भी सहायक है। यदि आपके बाल समय के साथ सफेद या ग्रे हो रहे हैं, तो भिंडी का पानी बालों को इस प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकता है। यह बालों को पोषण देने और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने का काम करता है, जिससे बालों का रंग स्थिर रहता है। इसके अलावा, भिंडी के पानी में मौजूद विटामिन सी बालों की मजबूती को बढ़ाता है, जिससे बालों का रंग हल्का नहीं पड़ता और वे अधिक आकर्षक दिखते हैं।

बालों के स्वास्थ्य के लिए भिंडी का पानी क्यों महत्वपूर्ण है?

बालों के स्वास्थ्य के लिए भिंडी का पानी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होते हैं। भिंडी में विटामिन ए, सी, के, और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूती प्रदान करते हैं और बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, भिंडी का पानी खोपड़ी में रक्त संचार को सुधारता है, जिससे बालों के रोम को बेहतर पोषण मिलता है और बालों का झड़ना कम होता है। इसमें मौजूद म्यूसिलेज (गमी) बालों को नमी और चमक प्रदान करता है, जिससे बाल मुलायम और शाइनी रहते हैं। साथ ही, भिंडी का पानी एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होने के कारण खोपड़ी की सूजन, जलन और रूसी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है। इस प्रकार, भिंडी का पानी बालों के समग्र स्वास्थ्य के लिए एक प्रभावी और प्राकृतिक उपाय साबित होता है।

भिंडी का पानी कैसे तैयार करें और इस्तेमाल करें

भिंडी का पानी बनाने की विधिरू

1. सबसे पहले 5–6 ताजे भिंडी लें और उन्हें अच्छे से धोकर काट लें।

2. एक पैन में 1–2 कप पानी डालें और उसमें कटी हुई भिंडी डालकर उबालें।

3. जब पानी उबलने लगे, तो इसे कुछ मिनटों तक उबालने दें, ताकि भिंडी से सभी पोषक तत्व पानी में घुल जाएं।

4. अब पानी को छानकर एक बोतल या कंटेनर में जमा कर लें। इसे ठंडा होने दें।

उपयोग करने का तरीका

1. भिंडी का पानी ठंडा होने के बाद इसे बालों में लगाएं।

2. इसे बालों की जड़ों में अच्छी तरह से लगाएं और धीरे–धीरे मसाज करें।

3. बालों के हर हिस्से पर भिंडी के पानी को लगाकर 30–45 मिनट तक छोड़ दें।

4. फिर गुनगुने पानी से अच्छे से धो लें।

5. यह प्रक्रिया हफ्ते में 2–3 बार करने से परिणाम दिखने लगते हैं। भिंडी का पानी बालों के लिए एक प्राकृतिक और सस्ता उपाय है, जो बालों की वृद्धि, मजबूती और सेहत के लिए लाभकारी है। इसके नियमित उपयोग से आप न केवल बालों को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं, बल्कि बालों के झड़ने और अन्य समस्याओं को भी नियंत्रित कर सकते हैं। भिंडी के पानी का उपयोग एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे आप अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं। याद रखें कि यदि आपको किसी प्रकार का एलर्जी या संवेदनशीलता महसूस हो, तो इसका उपयोग पहले किसी छोटे भाग पर परीक्षण करें।

फूलगोभी से कीड़ों का सफाया कैसे करें?

कुछ लोगों को फूल गोभी अच्छे से काटना नहीं आता है, जिसके कारण फूल के टुकड़े–टुकड़े हो जाते हैं। ऐसे में आज हम आपको फूलगोभी से कीड़े हटाने के कुछ आसान तरीकों और इसे काटने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

सीजनल सब्जियां ऑफ सीजन में कभी भी स्वादिष्ट नहीं लगती हैं। अब आप फूल गोभी को ही ले लीजिए। फूल गोभी ठंड के दिनों में आती है और इसको बनाना भी काफी आसान होता है। यह सब्जी काफी अच्छी बनती है, लेकिन इसके फूलों में कीड़े छिपे होते हैं। ऐसे में इन कीड़ों को हटाना काफी मुश्किल हो जाता है। क्योंकि यह कीड़े दिखाई नहीं देते हैं हैं और फूल पर चिपके होते हैं। तो वहीं कुछ लोगों को फूल गोभी अच्छे से काटना नहीं आता है, जिसके कारण फूल के टुकड़े–टुकड़े हो जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फूलगोभी से कीड़े हटाने के कुछ आसान तरीकों और इसे काटने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

गोभी में कीड़े लगने की वजह

बता दें कि फूलगोभी नम वातावरण में जमीन के नीचे उगती है। जिसके वजह से इसमें कीड़े लग जाते हैं। वहीं इसके घने पत्तों और स्टेम्स में कीड़े आसानी से छिप जाते हैं। यह कीड़े फूल के अंदर गहराई तक जा सकते हैं। ऐसे में इन कीड़ों को पहली नजर में पहचानना मुश्किल होता है।

कीड़े निकालने के उपाय

नमक के पानी में भिगोना

फूल गोभी से कीड़ा निकालने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है कि आप इसको नमक के पानी में भिगो दें। नमक का पानी गोभी में छिपे कीड़ों और गंदगी को निकालने में सहायता करता है।

क्या करें

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में हल्का गुनगुना पानी भर लें और इसमें 2–3 चम्मच नमक डालकर इसको घुलने दें।

अब गोभी को बड़े टुकड़े में काटकर इन्हें 15–20 मिनट के लिए पानी में डुबोकर रखें।

इसके बाद गोभी को पानी में डालकर धीरे–धीरे घुमाएं और अब गोभी को ठंडे पानी से धो लें, जिससे कि बचा हुआ नमक और कीड़े निकल जाएं।

यह उपाय गोभी से कीड़े निकालने के लिए काफी कारगर साबित होगी। क्योंकि नमक कीड़ों को इरिटेट करता है।

हल्दी के पानी में डुबोएं

फूल गोभी से कीड़े निकालने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसको हल्दी के पानी में कुछ देर के लिए डुबो दें। हल्दी जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के लिए जानी जाती है। इसकी तेज महक कीड़ों को निकालने में मदद करती है।

क्या करें

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में गर्म पानी में 1–2 चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं। अब इसमें 15 मिनट के लिए गोभी भिगोने के लिए डाल दें।

अब 15 मिनट बाद पानी निकालकर गोभी को अच्छे से धो लें, जिससे कि हल्दी अच्छे से साफ हो जाए।

क्योंकि हल्दी का पानी बैक्टीरिया मारने और फूलों की दरारों से कीड़े को बाहर निकालने में सहायता करता है।

ब्लांचिंग की मदद से निकाले कीड़े

बता दें कि फूल गोभी को ब्लांच करने से इसमें मौजूद कीड़े निकल जाएंगे और सब्जी भी आसानी से पक जाएगी। वहीं ब्लांच करके आप इसको फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

क्या करें

सबसे पहले बड़े बर्तन में पानी उबाल लें और गोभी को बड़े–बड़े टुकड़ों में काटकर उसे उबलते हुए पानी में 2–3 मिनट के लिए रखें।

गोभी को ब्लांच करने के बाद फौरन इसे बर्फ के ठंडे पानी के कटोरे में डालें, जिससे कि फूल गोभी के पकने की प्रक्रिया खत्म हो जाए।

अब पानी को छानकर फूलगोभी को ध्यान से जांच लें, हालांकि ब्लांच करने पर हीट करने की वजह से कीड़े मर जाएंगे या फिर बाहर निकल जाएंगे।

इसके बाद आप चाहें तो गोभी को आगे के लिए स्टोर करके रख सकती हैं।

फूल गोभी काटने का सही तरीका

क्या आपको भी फूल गोभी का एक–एक फूल अलग करने में मुश्किल का सामना करते हैं। तो आप हमारे बताए गए तरीकों को फॉलो कर एक समान फूल काट लेंगे।

सबसे पहले फूल गोभी के बाहरी पत्तों को हटा लें, क्योंकि इनमें ज्यादा कीड़े होते हैं। अब गोभी के निचले हिस्से से मोटी और बड़ी हरी पत्तियां हटाएं। आप चाहें तो इनको हाथों से तोड़कर अलग कर सकते हैं।

फूल गोभी के तने का भी उपयोग किया जाता है। अगर आपको इसका तना पसंद नहीं है, तो आप गोभी के डंठल से काटकर अलग कर सकते हैं।

अब फूल गोभी को कटिंग बोर्ड पर उल्टा करके रखें और तेज चलने वाली चाकू का इस्तेमाल करें। गोभी को तने से ऊपर से नीचे तक आधा काट लें। अब आधे हिस्से को फिर काटकर चौथाई कर लें।

इसके बाद चाकू के बिना फूलों को अलग करना आसान होगा। हाथ से धीरे–धीरे गोभी के फूलों को अलग करें या फिर उनको बीच से काटने के लिए चाकू का इस्तेमाल करें। अगर आप छोटे फूल पसंद करते हैं, तो बड़े फूलों को आधे या चौथाई हिस्से में काट लें।

सुंदरकांड का पाठ करने से बनने लगते हैं अपने आप सभी काम, जानिए फायदे और नियम

सुंदरकांड तुलसीदासजी द्वारा रचित रामचरितमानस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह अध्याय भगवान हनुमान की शक्ति, भक्ति और बुद्धिमत्ता का वर्णन करता है। सुंदरकांड का पाठ नियमित रूप से करने से न केवल जीवन के कष्ट दूर होते हैं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मबल भी प्राप्त होता है।

सुंदरकांड का पाठ करने के फायदे

शनि दशा में लाभ

शनिदेव स्वयं हनुमानजी के भक्त हैं और उनसे भय खाते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिन जातकों पर शनि की ढैय्या या साढ़ेसाती का प्रभाव है वे अगर रोजाना सुंदरकांड का पाठ करें तो शनि की महादशा का प्रभाव कम होता है। यह पाठ विशेष रूप से शनि के दुष्प्रभाव और अन्य ग्रह दोषों को शांत करने में सहायक है।

कष्टों और भय का नाश

सुंदरकांड का पाठ करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाले सभी प्रकार के कष्ट दूर होने लगते हैं। यह पाठ नकारात्मक शक्तियों और भय को दूर करता है। सुंदरकांड में हनुमान जी की वीरता और शक्ति का वर्णन है, जो पाठक को साहस और आत्मविश्वास से भर देता है।

परिवार में सुख–शांति

यदि घर में कलह या अशांति हो, तो सुंदरकांड का पाठ करने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। यह परिवार में आपसी प्रेम और समझ को बढ़ाता है।

आर्थिक समस्याओं का समाधान

सुंदरकांड का पाठ करने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। यह पाठ मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है और धन–धान्य की वृद्धि में सहायक होता है।

स्वास्थ्य में सुधार

सुंदरकांड का पाठ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। यह तनाव को कम करता है और व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

संकल्प सिद्धि

यदि किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए सुंदरकांड का पाठ किया जाए, तो भगवान हनुमान जी की कृपा से संकल्प शीघ्र सिद्ध होता है।

सुंदरकांड का पाठ करने के नियम

शुद्धता का ध्यान रखें– सुंदरकांड का पाठ करते समय शारीरिक और मानसिक शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें और शांत मन से पाठ शुरू करें।

सही स्थान का चयन करें– पाठ के लिए ऐसा स्थान चुनें जहां शांति हो और बाहरी शोरगुल से बचा जा सके। पूजा स्थल सबसे उत्तम होता है।

समय का निर्धारण करें– सुंदरकांड का पाठ सूर्योदय के समय या संध्या काल में करना शुभ माना जाता है। नियमित समय पर पाठ करने से अधिक लाभ होता है।

भगवान की पूजा– पाठ से पहले भगवान राम और हनुमान जी की पूजा करें। दीपक जलाएं और फल–फूल अर्पित करें।

समर्पण और श्रद्धा– पाठ करते समय मन को भगवान राम और हनुमान जी की भक्ति में लीन रखें। उच्चारण स्पष्ट और भावपूर्ण होना चाहिए।

नियमितता बनाए रखें– सुंदरकांड का पाठ सप्ताह में कम से कम एक बार अवश्य करें। यदि संभव हो, तो मंगलवार या शनिवार को विशेष रूप से इसका पाठ करें।

संक्षिप्त

ईडी ने अघोषित विदेशी संपत्ति मामले में झारखण्ड में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के परिसरों पर छापे मारे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेश में कथित रूप से अघोषित संपत्ति रखने के मामले में रांची के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और उसके सहयोगियों के खिलाफ मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट और संदिग्ध हवाला ऑपरेटर नरेश कुमार केजरीवाल, उनके कुछ पारिवारिक सदस्यों और सहयोगियों के रांची, मुंबई और सूरत स्थित परिसरों की विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई आयकर विभाग के निष्कर्षों के आधार पर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नरेश कुमार केजरीवाल का संयुक्त अरब अमीरात, नाइजीरिया और अमेरिका में ''अघोषित'' विदेशी मुखौटा संस्थाओं पर नियंत्रण है, और इनका प्रबंधन भारत से प्रभावी ढंग से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इन परिसंपत्तियों में 900 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित राशि जमा है और संदेह है कि लगभग 1,500 करोड़ रुपये ''फर्जी'' 'टेलीग्राफिक' हस्तांतरण के माध्यम से भारत में वापस भेजे गए।

रुपया 32 पैसे टूटकर 89.85 प्रति डश्वलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 89.85 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कंपनियों, आयातकों और विदेशी निवेशकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग ने रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.70 पर खुला। फिर 89.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को दिन के कारोबार में 89.79 प्रति डॉलर तक गिरने के बाद 89.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 99.41 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 223.84 अंक या 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,418.06 अंक पर जबकि निफ्टी 59 अंक या 0.23 प्रतिशत की फिसलकर 26,116.75 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.15 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,171.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वेकफिट का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 185–195 रुपये प्रति शेयर

घरेलू सामान एवं फर्नीचर बनाने वाली कंपनी वेकफिट इनोवेशंस ने अपने 1,289 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 185–195 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक पांच दिसंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 377.18 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और करीब 912 करोड़ रुपये मूल्य के 4,67,54,405 शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल मिलाकर इसका आकार 1,289 करोड़ रुपये बैठता है। कंपनी के शेयर 15 दिसंबर को बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत के रूसी तेल आयात में एक तिहाई की कमी, रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत के रूसी तेल आयात में एक तिहाई की कमी आई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिसंबर में और गिरावट की उम्मीद है क्योंकि देश प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। रियल–टाइम डेटा एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के अनुसार, महीने के दौरान रूस से आयात औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन (इचक) रहा। यह देश के कुल कच्चे तेल आयात मिश्रण का 35: से अधिक है। यह स्तर अक्तूबर के 15 से 16 लाख इचक की तुलना में काफी अधिक है और पांच महीनों का उच्चतम स्तर माने जा रहे हैं। केप्लर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रिटोलिया ने बताया कि 21 नवंबर की प्रतिबंध समयसीमा से पहले आयात 19 से 20 लाख इचक के करीब पहुंच गया था, क्योंकि भारतीय खरीदारों ने समय सीमा से पूर्व बड़े पैमाने पर खेप आगे बढ़ा दी थीं। रिटोलिया के मुताबिक, समयसीमा लागू होने के बाद आयात में कुछ सुस्ती दिखी है, क्योंकि रिफाइनरियों ने प्रतिबंध लागू होने के बाद प्रोसेसिंग के लिए पहले से पर्याप्त भंडार तैयार कर लिया था। वहीं 21 नवंबर के बाद प्रवाह घटकर लगभग 12.7 लाख इचक रह गया, जो पिछली महीने की तुलना में 5.7 लाख इचक कम है। रिटोलिया के मुताबिक, मौजूदा लोडिंग और जहाजों की आवाजाही के आधार पर दिसंबर में आयात लगभग 10 लाख इचक रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह उस पूर्वानुमान के अनुरूप है, जिसमें अल्पकाल में रूसी तेल प्रवाह 8 लाख इचक तक घटने के बाद स्थिर होने की संभावना जताई गई थी। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस से दूरी बनाए जाने के बीच छूट पर उपलब्ध रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार के रूप में उभरकर खरीद बढ़ाई। पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया पर निर्भर रहने वाला भारत यूरोप की मांग में कमी और प्रतिबंधों के चलते उपलब्ध हुए कम दाम के रूसी बैरल की ओर तेजी से झुका। नतीजतन, रूस की हिस्सेदारी 1: से बढ़कर करीब 40: तक पहुंच गई। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा और देश के कुल आयात में एक–तिहाई से अधिक योगदान दिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 14 साल के वैभव का धमाका, शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

कोलकाता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में बिहार के 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। महाराष्ट्र के खिलाफ खेले गए मैच में सूर्यवंशी ने सिर्फ 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए और अपने करियर का तीसरा टी20 शतक जड़ दिया। इस पारी के साथ ही उन्होंने इतिहास भी रच दिया। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

7 चौके, 7 छक्के, वैभव का तूफान

वैभव सूर्यवंशी की इस पारी में सात चौके और सात छक्के शामिल थे और उनकी यह पारी कोलकाता के मशहूर ईडन गार्डन्स में दर्शकों के लिए किसी रोमांचक शो से कम नहीं थी। सूर्यवंशी ने मैदान के हर हिस्से में शॉट्स लगाए और महाराष्ट्र के गेंदबाजों को बेबस कर दिया।

सबसे कम उम्र में इतिहास रचा

इस धांसू पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। यह उपलब्धि इतनी खास है कि टूर्नामेंट में अब तक कोई भी खिलाड़ी इतनी कम उम्र में ऐसा नहीं कर पाया था।

जिम्मेदारी भरी पारी, अंत तक नाबाद रहे

बिहार की बल्लेबाजी ताश की तरह बिखर गई थी और टीम दबाव में थी, लेकिन सूर्यवंशी ने धैर्य, पारी बनाने वाली और मैच स्थिति की समझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी शानदार पारी में अगला बड़ा स्कोर सिर्फ 26 रन था, जिससे साफ है कि उन्होंने टीम को अपने दम पर बिहार को 176 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

आखिरी ओवर तक टिके रहे

सूर्यवंशी पूरे 20 ओवर क्रीज पर टिके रहे और नाबाद रहे और यह बात उनके बैटिंग टेंपरेमेंट और मैच अवेयरनेस को साबित करती है। हालांकि, महाराष्ट्र ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर 182 रन बनाकर मैच जीत लिया। कप्तान पृथ्वी शॉ ने 30 गेंद में 66 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कुछ दिन पहले भी जड़ा था ऐसा रिकॉर्ड

यह प्रदर्शन कोई संयोग नहीं है। कुछ दिन पहले ही वैभव ने यूएई के खिलाफ एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में 42 गेंदों में 144 रन जड़े थे। उनका यह निरंतर प्रदर्शन बताता है कि वह भारत के घरेलू क्रिकेट में उभरते हुए सबसे बड़े सितारों में से एक बन चुके हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे कम उम्र के शतकवीर

उम्र	खिलाड़ी	खिलाफ	(साल)
14 साल 250 दिन	वैभव सूर्यवंशी	महाराष्ट्र	(2025)
18 साल 118 दिन	विजय जोल	मुंबई	(2013)
18 साल 135 दिन	आयुष म्हात्रे	विदर्भ	(2025)
19 साल 25 दिन	शेख राशीद	अरुणाचल प्रदेश	(2023)
19 साल 30 दिन	अक्षत रेड्डी	मुंबई	(2010)

ऋतुराज की जगह पंत को मिलेगा प्लेइंग–11 में स्थान ? रोहित और कोहली पर फिर रहेंगी नजरें

रायपुर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को रायपुर में दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम की कोशिश इस मैच को जीतकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी। इस मैच में यह देखना भी दिलचस्प रहेगा कि भारत प्लेइंग–11 में कोई बदलाव करता है या नहीं। पहले मैच में विराट कोहली, रोहित शर्मा और कप्तान केएल राहुल का बल्ला चला था, लेकिन यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ और वाशिंगटन सुंदर प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे।

पहले मैच में तीन स्पिनरों के साथ उतरा था भारत

भारतीय टीम पहले मैच में तीन स्पिनर और इतने ही तेज गेंदबाजों के साथ उतरी थी। ऋषभ पंत की जगह ऋतुराज गायकवाड़ को मौका मिला था, जबकि ऑलराउंडर के तौर पर नीतीश कुमार रेड्डी के स्थान पर वाशिंगटन सुंदर खेले थे। इस बात की संभावन कम है कि भारत इस मैच में कोई बड़े बदलाव करे। अगर टीम प्रबंधन बेंच स्ट्रेंथ परखना चाहेगा तो ऋतुराज की जगह पंत को मौका मिल सकता है। पंत और केएल राहुल दोनों ही इस सीरीज का हिस्सा हैं। केएल नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं तो यह तय है कि वह मैच में होंगे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि पंत और राहुल के साथ एकादश में कैसे फिट हो सकते हैं?

कम नहीं हुई भारत की चिंताएं

ऋतुराज गायकवाड़ को टीम प्रबंधन समय देना चाहेगा क्योंकि एक मैच में विफलता से उनका प्लेइंग–11 से हटना आदर्श स्थिति नहीं होगी। पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है। लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं दिखे। केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वाशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके।

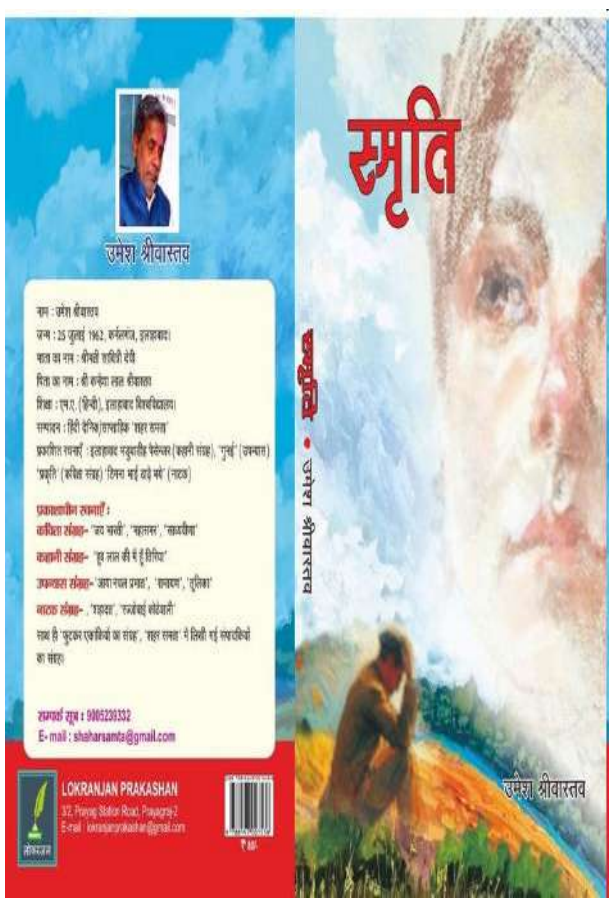

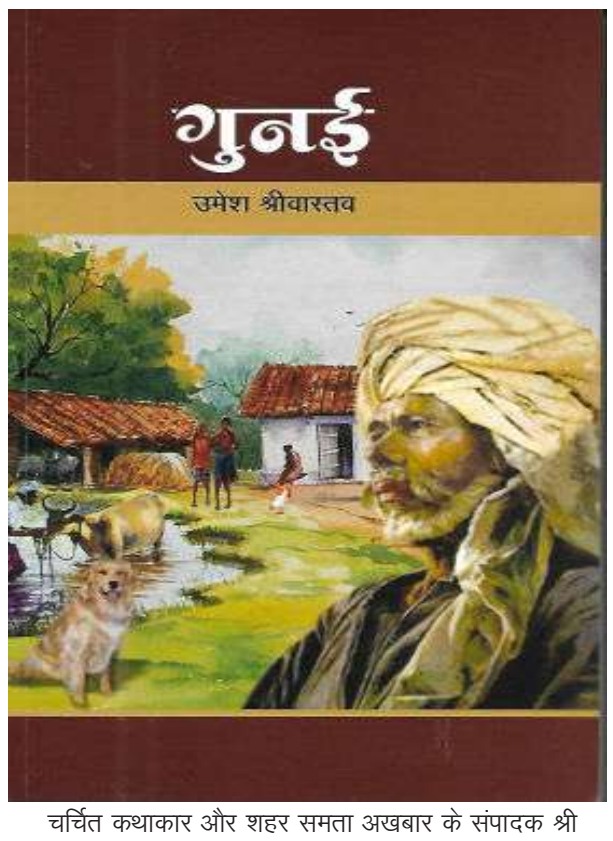

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

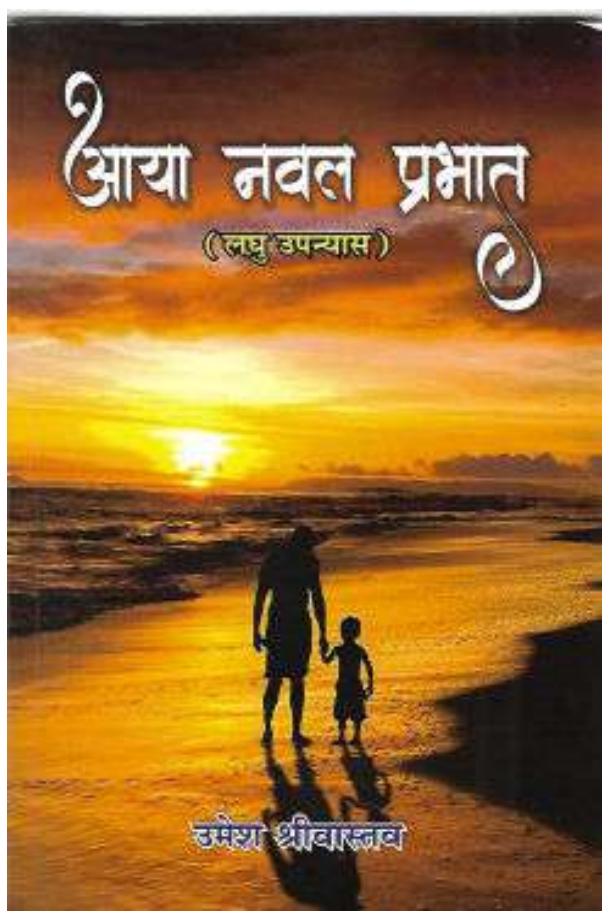

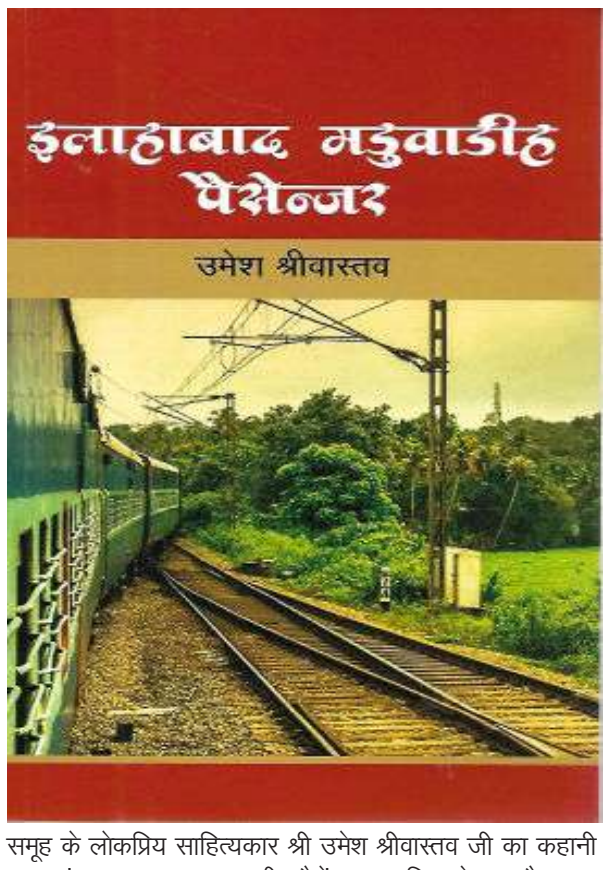

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

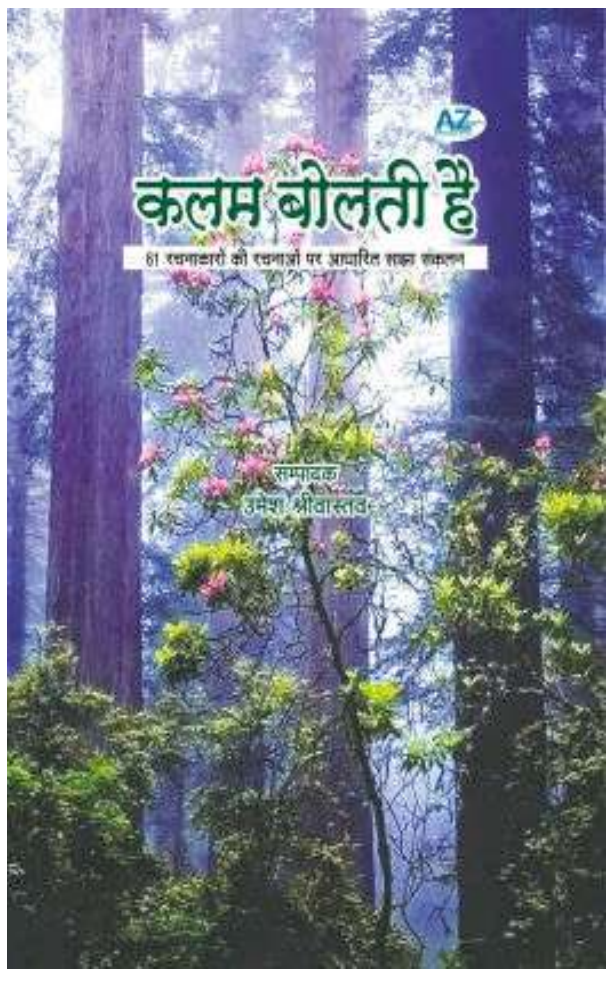

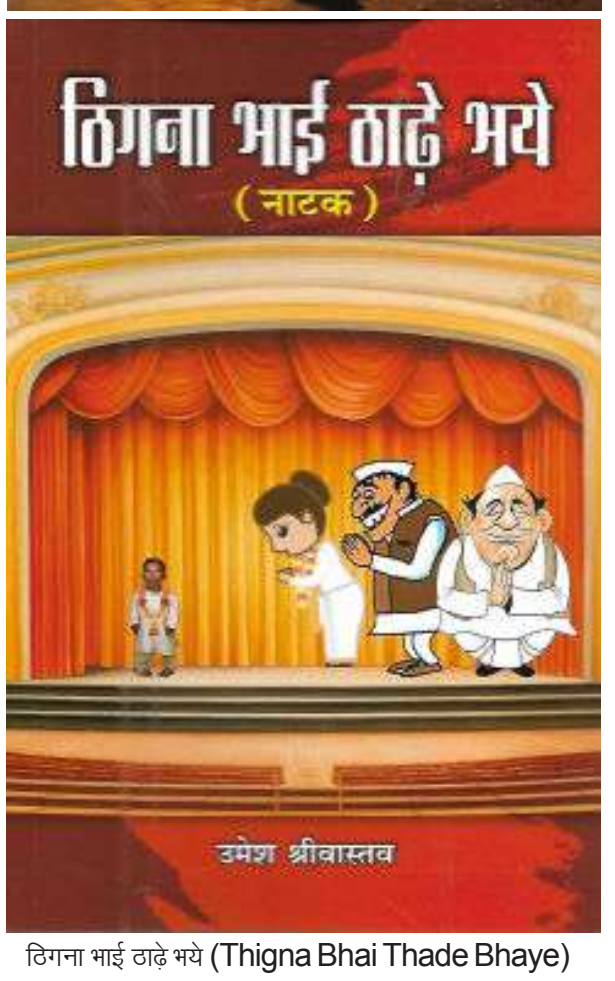

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पुतिन से पहले दिल्ली पहुँचे दर्जनों रूसी कमांडो, संभाल ली सुरक्षा की कमान, मोदी–पुतिन वार्ता में होंगे कई बड़े ऐलान

दिल्ली इस समय एक अत्यंत संवेदनशील और बहु–स्तरीय सुरक्षा ऑपरेशन का केंद्र बन चुकी है, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। पुतिन के आधिकारिक कार्यक्रमों को अत्यंत गोपनीय रखा गया है, किंतु माना जा रहा है कि 4–5 दिसंबर को होने वाले शिखर–स्तरीय द्विपक्षीय कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए रूसी सुरक्षा टीम पिछले कई दिनों से दिल्ली में मौजूद है। 50 से अधिक रूसी सुरक्षा अधिकारी पहले ही राजधानी पहुंच चुके हैं और उन्होंने मुख्य कार्यक्रम स्थलों से लेकर वैकल्पिक मार्गों तक का गहन सुरक्षा आकलन शुरू कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार रूसी सुरक्षा दल सिर्फ बाहरी सतह पर नज़र नहीं रख रहे, बल्कि संभावित होटल–स्थलों, एयरपोर्ट के लैंडिंग ज़ोन, आपातकालीन निकासी मार्गों और शहर के संवेदनशील हिस्सों की माइक्रो–प्लानिंग भी कर रहे हैं। AI–आधारित निगरानी, ड्रोन–डिटेक्शन सिस्टम, स्नाइपर तैनाती और 24×7 कमांड–कंट्रोल रूम की तैयारी ज़ोरों पर है। दिल्ली पुलिस, स्पेशल सेल, एसपीजी और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ, रूस की "इनर रिंग" सुरक्षा टीम के साथ मिलकर काम कर रही हैं। हम आपको बता दें कि बाहरी सुरक्षा और लॉजिस्टिक सपोर्ट भारत संभाल रहा है, जबकि अंतिम निर्णय और कोर प्रोटोकॉल का संचालन रूसी एजेंसियाँ अपने हाथ में रखे हुए हैं। पुतिन के साथ आने वाला प्रतिनिधिमंडल भी बड़ा और उच्चस्तरीय माना जा रहा है, जिसमें रक्षा, विदेश नीति, ऊर्जा, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। उनके लिए विशेष पाक–व्यवस्था, मेडिकल ट्रांसिट सुविधा और अलग–अलग सुरक्षा परतें भी तैयार की जा रही हैं। कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में राजधानी एक ऐसे "सिक्योरिटी कवच" में ढँकने जा रही है, जैसा दुनिया के सिर्फ कुछ सबसे शक्तिशाली नेताओं के लिए ही देखा जाता है। अमेरिका की घटती विश्वसनीयता, चीन की बढ़ती आक्रामकता और यूरोप की नई रणनीतिक उलझनों के बीच होने वाले मोदी–पुतिन शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई

हैं। देखा जाये तो बीते तीन दशकों में भारत ने अमेरिका से रक्षा, तकनीक और रणनीति के मामलों में गहरे संबंध विकसित किए, जबकि रूस ने चीन के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाई। किंतु 2025 आते–आते दुनिया ने महसूस किया कि पुरानी धारणाएँ अब वास्तविकता को नहीं समझा पातीं। अमेरिका के घरेलू तनाव, अनिर्णायक युद्धों और हाल के व्यापक टैरिफ युद्धों ने कई देशों को झटका दिया हैकृ भारत के लिए 50: ड्यूटी वाला प्रसंग इसकी अहम मिसाल है। दूसरी ओर, चीन का विस्तारवादी रुख रूस के भीतर भी असहजता पैदा कर रहा हैकृ चाहे वह सुदूर साइबेरिया की जनसंख्या–गतिशीलता हो या मध्य एशिया में बढ़ते प्रभाव की चिंता। ऐसे समय में भारत और रूस, दोनों अपनी–अपनी "रणनीतिक स्वायत्तता" की नीति को मजबूत करते दिखाई देते हैं। यह कोई पुराना मित्रता–संधि मॉडल नहीं, बल्कि नई वैश्विक अनिश्चितताओं में एक–दूसरे के लिए "विश्वसनीय और अपेक्षाकृत स्थिर साझेदार" खोजने का प्रयास है। शिखर सम्मेलन का एजेंडा भी इस बात को दर्शाता है। रक्षा सहयोग इसकी धुरी बना हुआ है— S-400 की आगे की तैनातियाँ, Su-30MKI अपग्रेड, लंबी दूरी के BrahMos fodYi और Su-57E stealth fighter से जुड़े प्रारंभिक विचार–विमर्श इस पैकेज का हिस्सा हो सकते हैं। इसके अलावा, Reciprocal EÛchange of Logistics Support (RELOS) समझौता दोनों सेनाओं को एक–दूसरे के बेस, पोर्ट और एयरफील्ड के इस्तेमाल की अनुमति देगा। इससे भारत की पहुँच Indo-Pacific ls Arctic तक और रूस की पहुंच भारतीय महासागर तक बढ़ेगी। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़े कदमों की तैयारी है। इसमें VVER-1200 रिएक्टरों से लेकर छोटे मॉड्यूलर और संभावित फ्लोटिंग प्लांट तक पर सहमति बन सकती है। सबसे दिलचस्प क्षेत्र वह है जहाँ भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा तय होनी है यानि critical minerals और rare earths। इससे जुड़े संयुक्त उपक्रम रूस के थ्ंत म्ंेज में शुरू होने की संभावना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों, हाई–एंड इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत हथियार प्रणालियों की सप्लाई चेन में भारत अधिक आत्मनिर्भर बन सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार अब करीब 65–66 अरब डॉलर पर है और 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता ने इस व्यापारिक संबंध को मजबूती दी है, जबकि भारत दवाइयों, इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना चाहता है। दूसरी ओर, पुतिन की यात्रा की कठोर सुरक्षा व्यवस्थाएँ, वैश्विक राजनीति की वर्तमान बेचैनी का भी प्रतीक हैं। पुतिन की सुरक्षा के इंतजामात इस बात का संकेत हैं कि विश्व के सबसे शक्तिशाली नेताओं को आज किस स्तर की असुरक्षा और ख़तरे की चिंता घेरे हुए है। सवाल उठता है कि क्या हम ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ संवाद की मेज़ पर बैठने के लिए पहले शहरों को क़िले में बदलना पड़ेगा? बहरहाल, भारत के लिए पुतिन की यात्रा का राजनीतिक संदेश महत्वपूर्ण है। यह संदेश है कि भारत वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाने वाली अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को जारी रखे हुए है। देखा जाये तो भारत और रूस, दोनों ही तेज़ी से बदलती दुनिया में न तो किसी एक खेमे में जाना चाहते हैं और न ही अपनी स्वायत्तता को खोना चाहते हैं। यही कारण है कि यह साझेदारी आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखती है।

संक्षिप्त

इमरान की मौत की अफवाहों के बीच रावलपिंडी में धारा 144, पाकिस्तान सरकार की चिंता बढ़ी

पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री के रिश्तेदारों और समर्थकों को उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग को लेकर आयोजित बड़े विरोध प्रदर्शन के बीच रावलपिंडी में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है और धारा 144 लागू कर दी है। यह बात इमरान खान की मौत की अफवाहों के बीच सामने आई है, जिससे देश में अशांति की आशंका बढ़ गई है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार चीमा के कार्यालय द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश में कहा गया है कि दंड प्रक्रिया संहिता (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2024 की धारा 144 1 से 3 दिसंबर तक तीन दिनों के लिए प्रभावी रहेगी। यह कानून सभी प्रकार की सभाओं, समारोहों, धरना–प्रदर्शनों, रैलियों, जुलूसों, प्रदर्शनों, जलसों, धरनों, विरोध प्रदर्शनों और पांच या अधिक लोगों के इसी प्रकार के जमावड़े जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाता है। हथियार, कीलें, लदे हुए डंडे, गुलेल (गोफन), बॉल बेयरिंग, पेट्रोल बम, तात्कालिक विस्फोटक या अन्य कोई भी उपकरण ले जाना, जिसका हिंसा के लिए संभावित रूप से उपयोग किया जा सकता हो, साथ ही हथियारों का प्रदर्शन (कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा ले जाए जाने वाले हथियारों के अलावा) और आपत्तिजनक या घृणास्पद भाषण देना भी प्रतिबंधित है। सरकार ने शहर में दोपहिया वाहनों पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश सोमवार को जारी किया गया और इसमें कहा गया है कि रावलपिंडी ज़िले की सीमा के भीतर आसन्न ख़तरा मौजूद है और सार्वजनिक सुरक्षा, शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए ये प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। जिला खुफिया समिति (डीआईसी) ने विशिष्ट खुफिया जानकारी दी है, जिसमें कहा गया है कि कुछ समूह और तत्व बड़ी सभाओं, विरोध प्रदर्शनों और विघटनकारी सभाओं के माध्यम से कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने के इरादे से सक्रिय रूप से जुट रहे हैं।

भूकंप का तांडव! तिब्बत की धरती कांपी, 3.3 की तीव्रता, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को तिब्बत में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 5 किमी की उथली गहराई पर आया, जिससे यह आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील है। दइससे पहले सोमवार को, 50 किमी की गहराई पर 3.3 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में ज़्यादा खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों की सतह तक पहुँचने की दूरी कम होती है, जिसके परिणामस्वरूप ज़मीन ज़्यादा हिलती है और संरचनाओं को ज़्यादा नुकसान और ज़्यादा हताहत होने की संभावना होती है। तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव के कारण होने

वाली भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। तिब्बत और नेपाल एक प्रमुख भूगर्भीय भ्रंश रेखा पर स्थित हैं जहाँ भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराती है, और इसके परिणामस्वरूप भूकंप आना एक नियमित घटना है। यह क्षेत्र टेक्टोनिक उत्थान के कारण भूकंपीय रूप से सक्रिय है जो हिमालय की चोटियों की ऊँचाई को बदलने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो सकता है। तिब्बती पठार भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव से उत्पन्न भूपर्पटी के मोटे होने के कारण अपनी ऊँचाई प्राप्त करता है, जिससे हिमालय का निर्माण हुआ। पठार के भीतर भ्रंश, स्ट्राइक–स्लिप और सामान्य तंत्रों से जुड़ा है। पठार पूर्व–पश्चिम तक फैला हुआ है, जैसा कि उत्तर–दक्षिण दिशा में स्थित ग्रैबेन, स्ट्राइक–स्लिप भ्रंश और जीपीएस डेटा से स्पष्ट होता है। उत्तरी क्षेत्र में, स्ट्राइक–स्लिप भ्रंश प्रमुख विवर्तनिकी शैली का निर्माण करता है, जबकि दक्षिण में, प्रमुख विवर्तनिकी क्षेत्र उत्तर–दक्षिण दिशा में स्थित सामान्य भ्रंशों पर पूर्व–पश्चिम विस्तार है।

अमेरिकी चिकित्सकों ने कहा- डोनाल्ड ट्रंप के हृदय और पेट का एमआरआई 'पूरी तरह सामान्य'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन कराया गया था जिसके परिणाम ''पूरी तरह सामान्य'' पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेमो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए मानक शारीरिक परीक्षण का हिस्सा है। डॉ बारबाबेला ने निष्कर्ष निकाला कि हृदय और पेट की इमेजिंग ''एकदम सामान्य'' है। चिकित्सक ने लिखा, ''यह जांच निवारक तौर पर की गयी है ताकि समस्याओं की जल्द पहचान की जा सके, पूरी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक जीवन शक्ति तथा कार्यप्रणाली बनी रहे।'' ट्रंप द्वारा रविवार को स्कैन के परिणाम जारी करने की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस ने बारबाबेला का ज्ञापन जारी किया। इससे पहले व्हाइट हाउस ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि अक्टूबर में वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए इस शारीरिक परीक्षण के दौरान एमआरआई क्यों किया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पेरिस में युद्ध विराम की उम्मीदें जगीं, जेलेंस्की का दावा–
अमेरिकी शांति योजना 'बेहतर हो रही', पुतिन–अमेरिकी दूत की मुलाकात अहम

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की शांति योजना में किए जा रहे संशोधनों में प्रगति हो रही है और यह ''अब बेहतर लग रही है।'' उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद पेरिस में यह टिप्पणी की, जहां रूस के लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इसी बीच, रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने पुष्टि की कि व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ की भूमिका पर तब सवाल उठे थे जब एक खबर आई कि उन्होंने पुतिन के सलाहकार को यह सुझाव दिया था कि शांति योजना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे मनाया जाए। जेलेंस्की की पेरिस यात्रा उस बैठक के बाद हुई जिसमें अमेरिकी विदेश

मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन–अमेरिका वार्ताओं को ''लाभप्रद'' बताया। दोनों पक्ष अमेरिकी मसौदा शांति योजना में सुधार कर रहे हैं। यह योजना अमेरिका एवं रूस ने आपस में बातचीत करके तैयार की है। लेकिन योजना की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही है कि उसमें रूसी मांगों पर अधिक ध्यान दिया गया है। क्रेमलिन ने सोमवार देर रात दावा किया कि रूस ने दोनेत्स्क क्षेत्र के प्रमुख शहर पोक्रोव्स्क पर कब्ज़ा कर लिया है, जबकि जेलेंस्की ने कहा कि वहां लड़ाई जारी है। जेलेंस्की ने यूक्रेन के क्षेत्रों पर नियंत्रण को ''सबसे जटिल मुद्दा'' बताया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि वार्ताएं अभी शुरुआती चरण में हैं, लेकिन यह वार्ता यूक्रेन में शांति और यूरोप में सुरक्षा के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। ट्रंप ने यूक्रेन और अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचनाओं के बाद अपनी 28–सूत्रीय योजना को अब केवल एक ''संकल्पना'' बताया है, जिसे ''और बेहतर'' बनाया जाएगा। इसकी यह कहकर आलोचना की गयी कि इससे यूक्रेन की सेना सीमित होती, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में उसकी सदस्यता रुक जाती और उसे क्षेत्र छोड़ना पड़ता। मैक्रों ने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने की अपील की और कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण वार्ताएं होंगी। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर उसके तेल ढांचे पर हमलों का आरोप लगाया और दावा किया कि उसकी सेना ने 32 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। वहीं, रूस के मिसाइल हमले में ड्नीप्रो शहर में चार लोग मारे गए और 40 घायल हुए। यूक्रेन ने कहा कि नवंबर में रूस ने हजारों ड्रोन और मिसाइलें दागीं।

दुश्मनी से ज्यादा इंसानियत को महत्व देता है भारत, पाकिस्तान के लिए खोल दिया अपना हवाई क्षेत्र

श्रीलंका में आए भीषण चक्रवात 'डिटवा' के बाद राहत और बचाव कार्यों में भारत लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान के कुछ मीडिया संस्थानों ने यह दावा करना शुरू कर दिया कि भारत ने श्रीलंका के लिए जा रही पाकिस्तान की मानवीय सहायता उड़ान को अपने वायुदृक्षेत्र से गुजरने की अनुमति देने से इंकार कर दिया। लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट है क्योंकि भारत ने यह अनुमति न केवल दी, बल्कि बेहद कम समय में दी। हम आपको याद दिला दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने अपना हवाई क्षेत्र पाकिस्तान के लिए बंद कर रखा है। जहां तक ताजा विवाद की बात है तो आपको बता दें कि भारत सरकार ने एक बयान में बताया है कि पाकिस्तान ने 1 दिसंबर को दोपहर लगभग 1 बजे (प्ज्) राहत सामग्री लेकर श्रीलंका जा रही उड़ान के लिए ओवरफ्लाइट की औपचारिक अनुमति मांगी थी। भारत ने मानवीय संकट की गंभीरता को देखते हुए केवल चार घंटे के भीतर अनुमति जारी कर दी और शाम 5रू30 बजे पाकिस्तान को इसकी आधिकारिक सूचना भेज दी। भारत ने जोर दिया कि यह कदम "शुद्ध रूप से मानवीय आधार पर" उठाया गया, भले ही पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना वायुदृक्षेत्र अभी भी बंद रखा हुआ है। सरकारी सूत्रों ने पाकिस्तानी मीडिया में चल रहे दावों को "बेवजह का प्रोपेगैंडा और भ्रामक रिपोर्टिंग" बताते हुए कहा कि भारत के निर्णय स्थापित अंतरराष्ट्रीय मानकों, तकनीकी मूल्यांकन और सुरक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर लिए जाते हैं, न कि किसी प्रतिद्वंद्विता के आधार पर। देखा जाये तो भारत के त्वरित और पारदर्शी निर्णय के बावजूद, पाकिस्तानी मीडिया का झूठा दावा यह दर्शाता है कि क्षेत्रीय मानवीय सहयोग के मुद्दे को भी गलत सूचना फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारत की ओर से जारी स्पष्टीकरण ने साफ कर दिया कि अनुमति न देने का आरोप पूरी तरह मनगढ़ंत है। देखा जाये तो पाकिस्तान का एक हिस्सा अक्सर यह मान लेता है कि झूठ को जितनी बार दोहराया जाए, वह सच बन जाएगा। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अब यह झूठ केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित नहीं रहा, यह मानवीय संकटों तक भी फैल गया है। श्रीलंका जैसी त्रासदी, जहां सैकड़ों लोग मारे गए, लाखों प्रभावित हुए, वहाँ भी पाकिस्तान का एक वर्ग गलत सूचना फैलाकर क्षेत्रीय भरोसे को तोड़ने की कोशिश करता दिखा। इस बार भी ऐसा ही हुआ। जब मानवीय सहायता के लिए भारत ने चार घंटे में ओवरफ्लाइट अनुमति दे दी, तब पाकिस्तानी मीडिया के कुछ हिस्सों ने उल्टा आरोप लगाया कि भारत ने वायुदृक्षेत्र देने से इंकार कर दिया। यह केवल सूचना का विकृतिकरण नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों पर कुठाराघात है। पाकिस्तान का इतिहास इस तरह की कहानियों से भरा पड़ा हैकृ आतंकवाद पर झूठ, सर्जिकल स्ट्राइक पर झूठ, बालाकोट पर झूठ, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झूठ और अब तो मानवीय सहायता जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी झूठ। एक राष्ट्र जब अपनी छवि सुधारने की कोशिश करने की बजाय दूसरों पर निराधार आरोप लगाने में ऊर्जा खर्च करता है, तो वह विश्वसनीयता खो देता है। सच्चाई यह है कि दक्षिण एशिया में जब भी कोई आपदा आती है, भारत ही सबसे पहले मदद के लिए आगे बढ़ता हैकृ चाहे वह नेपाल का भूकंप हो, मालदीव का जल संकट हो या श्रीलंका की मौजूदा त्रासदी। इस क्षेत्र में भारत की "फर्स्ट रिस्पॉन्डर" की भूमिका केवल कूटनीति नहीं, बल्कि पड़ोसी धर्म और मानवता की भावना है। दूसरी ओर, पाकिस्तान अपनी घरेलू अव्यवस्थाओं, आर्थिक संकट और वैश्विक अलगाव से ध्यान हटाने के लिए अक्सर झूठे कथानक गढ़ता है। मानवीय राहत के बीच ऐसा करना न सिर्फ अपरिपक्वता है, बल्कि नैतिक दिवालियापन भी है। बहरहाल, श्रीलंका के हालात को देखें तो चक्रवात से 200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और देश में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित है। भारत 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत नौसेना, वायुसेना और छक्त्थ् की टीमें भेज रहा है, साथ ही राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन आपूर्ति भी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से फोन पर बात कर संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि भारत इस कठिन समय में "पहला प्रतिकर्ता" (First Responder) बना रहेगा। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की तेज प्रतिक्रिया और व्यापक मदद के लिए गहरी कृतज्ञता जताई है।

पीएम मोदी की वो बात, जिस पर फिदा हो गई खालिदा जिया की बीएनपी

भारत–बांग्लादेश संबंधों में आई ठंडक के बीच, शेख हसीना प्रकरण को पीछे छोड़ते हुए, हाल के हफ्तों में रिश्तों में गर्माहट के अलग संकेत देखने को मिले हैं। यह बर्फ़ सबसे पहले बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की दिल्ली यात्रा से पिघली थी। अब, हसीना की प्रतिद्वंद्वी खालिदा ज़िया के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश ने द्विपक्षीय संबंधों में यथास्थिति बहाल करने के भारत के प्रयास का संकेत दिया है। भारत के खिलाफ अपनी तीखी बयानबाजी में नरमी बरती है। पिछले हफ़्ते, बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने ज़ोर देकर कहा था कि ढाका और दिल्ली के बीच संबंधों में कुछ अनसुलझे मुद्दों, जिनमें हसीना से जुड़ा मामला भी शामिल है। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, हुसैन ने कहा कि हमारे हित बने रहेंगे और उन्हें सुरक्षित करने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे... लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसके कारण बाकी सब कुछ रुक जाएगा। भारत अच्छी तरह जानता है कि जब तक प्रत्यर्पण का मुद्दा सुलझ नहीं जाता, हसीना का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक अड़चन बना रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्होंने भारत के साथ मधुर संबंध बनाए रखे थे, को पिछले साल हुए दंगों के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए हाल ही में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसमें 500 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। अब, जब बांग्लादेश में चुनाव नज़दीक हैं और उनकी पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, प्रधानमंत्री मोदी के ज़िया के लिए संदेश ने कूटनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। अंग्रेजी और बंगाली दोनों भाषाओं में लिखे एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) प्रमुख के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की और उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए ष्हर संभव सहायताष् की पेशकश की। बीएनपी, जिसके भारत के साथ संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात 2015 में हुई थी जब प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश दौरे पर गए थे। उस समय जिया विपक्ष की नेता थीं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

पाकिस्तान में बंद हुए दूतावास, भारत के किस ऐलान से घबराए कई देश

पाकिस्तान में कुछ बहुत बड़ा होने जा रहा है। यूरोप के देश धीरे–धीरे पाकिस्तान में अपने दूतावास बंद कर रहे हैं। यह ऐसी घटना है जो बहुत असामान्य है। स्वीडन पहले ही पाकिस्तान में अपना दूतावास बंद कर चुका था। लेकिन अब भारत को ग्लोबल पावर बोलने वाले फिनलैंड ने भी पाकिस्तान में अपना दूतावास बंद करने का ऐलान कर दिया है। फ़िनलैंड ने घोषणा की है कि वह पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और म्यांमार में अपने दूतावास बंद कर रहा है। एक बयान में फ़िनलैंड के विदेश मंत्रालय ने इन देशों में बदलती राजनीतिक परिस्थितियों को अपने इस फ़ैसले का मुख्य कारण बताया। बयान में यह भी कहा गया है कि फ़िनलैंड के इन देशों के साथ सीमित वाणिज्यिक और आर्थिक संबंध हैं। इसमें कहा गया है कि दिए गए परिचालन और रणनीतिक कारणों से, फ़िनलैंड के राष्ट्रपति ने इस फ़ैसले पर आगे बढ़ने का फ़ैसला किया है और दूतावासों को बंद करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। गौरतलब है कि बजट की कमी के कारण, फ़िनलैंड ने 2012 में भी पाकिस्तान में अपने दूतावास बंद कर दिए थे।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।